



सब का सपना



यूपी में त्योहारों पर नहीं कटेगी बिजली, गांव-शहर में होगी समान

पेज: 3



'द वन फोर्स ऑफ़ द फारेस्ट की कामयाबी से खुश हैं

पेज: 8

वर्ष : 02

अंक : 195

मंगलवार 20 अक्टूबर 2026

अमरोहा (उत्तर प्रदेश)

www.sabkasapna.com

पृष्ठ : 08

मूल्य: 2 रुपए

मणिपुर में 24 घंटे में चार लोगों की हत्या, मुख्यमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में हिंसा की दो अलग-अलग घटनाओं में 24 घंटे के भीतर चार लोगों की हत्या हुई हैं। पहाड़ी इलाके में लकड़ी लेने गए तीन लोगों की संदिग्ध उग्रवादियों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि थोबल जिले में दो समुदायों के बीच हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। लगातार हो रही हिंसक घटनाओं से नाराज लोगों ने इंफाल में मुख्यमंत्री आवास के बाहर शव रखकर प्रदर्शन किया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़ दिए। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी की घटना इंफाल ईस्ट और कांगपोकपी जिलों की सीमा के पास खोंगबाल सुनुरोक उथोक इलाके में हुई। यह स्थान इंफाल ईस्ट के नोंगशुम गांव से कुछ ही दूरी पर है। बताया गया कि सोमवार सुबह करीब सात बजे 16 लोग लकड़ी लेने पहाड़ियों की ओर गए थे। तभी संदिग्ध उग्रवादियों ने उन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि तीन लोग अब भी लापता हैं। मृतकों की पहचान अरुबाम रोंगल (35), लैरनलकपम इनाओबी (51) और क्षैरिमायुम सुशील (32) के रूप में हुई है। घायलों में क्ष देवन की हालत गंभीर बताई गई है। घटना के बाद इलाके में तनाव बढ़ गया और सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने दुष्कर्म पीड़िता गर्भवती नाबालिग को दो गर्भपात की अनुमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने 16 वर्षीय दुष्कर्म पीड़िता को 31 सप्ताह की गर्भवस्था समाप्त करने की अनुमति दे दी है। अदालत ने कहा कि एक नाबालिग से बच्चे को जन्म देने और उसकी परवरिश की जिम्मेदारी उठाने की अपेक्षा करना बेठीक से उचित नहीं होगा। दिल्ली हाईकोर्ट ने साफ किया कि यौन हिंसा की शिकार नाबालिग की गर्भवस्था समाप्त करने का मामला केवल उसके व्यक्तिगत अधिकारों से जुड़ा नहीं है, बल्कि यह उसके मानवाधिकार, गरिमा और सम्मानजनक जीवन से भी जुड़ा है। दिल्ली की अदालत ने कहा कि पीड़िता को गर्भवस्था जारी रखने के लिए मजबूर करना उसके मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उसके भविष्य को प्रभावित कर सकता है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी (एमटीपी) कानून के तहत सामान्य परिस्थितियों में 20 सप्ताह तक और कुछ विशेष श्रेणियों, जिसमें दुष्कर्म पीड़िताएं शामिल हैं, में 24 सप्ताह तक गर्भपात की अनुमति का प्रावधान है। हालांकि, इस मामले में गर्भवस्था 31 सप्ताह की होने के बावजूद अदालत ने विशेष परिस्थितियों को ध्यान में रखकर अनुमति दी। पीड़िता फिलहाल लेडी हाइड्रॉ मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती है। हाईकोर्ट ने डॉक्टरों को निर्देश दिया कि गर्भवस्था समाप्त करने की प्रक्रिया के दौरान भ्रूण के ऊतकों को सुरक्षित रखा जाए, ताकि संबंधित आगराधिक मामले में जरूरत पड़ने पर डीएनए जांच हो सके। इससे मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया में मदद मिल सकती है। अदालत ने निर्देश दिया कि यदि चिकित्सकीय प्रक्रिया के दौरान बच्चा जीवित पैदा होता है, तब अस्पताल प्रशासन उसकी हररभभव चिकित्सा सहायता सुनिश्चित करे। इस स्थिति में उपचार का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी। कोर्ट ने अस्पताल के मेडिकल सुपरिंटेंडेंट को आवश्यक चिकित्सा व्यवस्था करने की जिम्मेदारी भी सौंपी।

रावण दहन पर विवाद गहराया: आयोजकों को मिला लीगल नोटिस

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन में रावण दहन की परंपरा को लेकर नया विवाद खड़ा हुआ है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने शहर में रावण दहन करने वाली चार आयोजक समितियों को कानूनी नोटिस भेजकर 7 दिन के भीतर शास्त्र-सम्मत प्रमाण मांगे हैं। समाज ने पूछा है कि किस धर्मशास्त्र या पुराण में आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को रावण वध का उल्लेख मिलता है। शरीरों में स्पष्टीकरण न देने की स्थिति में वैधानिक कार्रवाई और संबंधित खर्चों के वहन की चेतावनी दी गई है। इस बीच, ब्राह्मण समाज ने परंपरा को ब्राह्मणों का अपमान बताया। उन्होंने तर्क दिया कि रावण ने ऐसा कोई कृत्य नहीं किया जिसके लिए रावण को प्रतिवर्ष जलाया जाए और आयोजकों से सवाल किया कि करोड़ों सनातनी बताएं कि किस शास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है। पुजारी ने रावण दहन की आड़ में होने वाले ब्राह्मणों के अपमान को रोकने की बात कही। उन्होंने याद दिलाया कि पूर्व में अंग्रेजों और मुस्लिमों ने भी ब्राह्मणों का अपमान किया था। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज ने देश की सभी संस्थाओं से रावण दहन की इस प्रथा को बंद करने का आग्रह किया है।

राहुल गांधी भारत में नहीं हैं, नवरात्रि में वह विदेश में क्या कर रहे हैं? प्रदीप भंडारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उन खबरों का जिक्र किया, जिनके मुताबिक लोकसभा में विपक्ष के नेता छुट्टियों पर विदेश गए हैं। भंडारी ने नवरात्रि के दौरान उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाए और उन पर काम करने के बजाय छुट्टियों में ज्यादा समय बिताने का आरोप लगाया। भंडारी ने पोस्ट में लिखा- राहुल गांधी फिर से वही कर रहे हैं जिसमें वे माहिर हैं- ब्रेक लेना और छुट्टियों का आनंद लेना। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी भारत में नहीं हैं और पूछा कि नवरात्रि के दौरान कांग्रेस नेता विदेश में क्या कर रहे हैं।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ताजिकिस्तान रवाना, शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार सुबह नई दिल्ली से ताजिकिस्तान की राजधानी दुषांबे के लिए रवाना हुए। वह यहां शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह महत्वपूर्ण बैठक 19 और 20 अक्टूबर को होने जा रही है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने रवाना होने की जानकारी देते हुए कहा कि वह इस बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए उत्सुक हैं। इस बैठक में एससीओ के सदस्य देशों के बीच सहयोग को मजबूत करने पर प्रमुखता से चर्चा होगी। रक्षामंत्री ने बताया कि एससीओ की बैठक में व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क व्यवस्था, नवाचार और सांस्कृतिक एवं मानवीय आदान-प्रदान जैसे विषय बैठक के मुख्य एजेंडे में शामिल हैं। इसके अलावा, सदस्य देश आपसी सहयोग से जुड़ी मौजूदा पहलों की प्रगति की समीक्षा करेंगे। यहां संगठन के वित्तीय प्रबंधन



और संस्थागत कामकाज से जुड़े मुद्दों पर भी विचार किया जाएगा। एससीओ की यह बैठक सदस्य देशों को आर्थिक और अन्य क्षेत्रों में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने का अवसर देगी। इसका उद्देश्य ऐसे क्षेत्रों में आपसी तालमेल मजबूत करना है, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल

सके। गौरतलब है कि भारत एससीओ की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। भारत ने क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए नए उद्यमों, नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे और लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पहल की है। दुशांबे में होने

वाली बैठक के दौरान भारत अन्य सदस्य देशों के साथ विचारों का आदान-प्रदान करेगा। साथ ही आपसी हितों से जुड़े मुद्दों पर सहयोग आगे बढ़ाने के मार्ग तलाशे जाएंगे। एससीओ शासनाध्यक्ष परिषद की पिछली बैठक 18 नवंबर 2025 को रूस की राजधानी मॉस्को में हुई थी। उस

■ **इसकी शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक में मुख्य रूप से आर्थिक सहयोग और संगठन के कामकाज से जुड़े विषयों पर चर्चा होती है। 19 और 20 अक्टूबर की बैठक में भी सदस्य देशों के बीच सहयोग को आगे बढ़ाने और साझा पहलों की प्रगति की समीक्षा पर ध्यान रहेगा। रक्षा मंत्रालय का कहना है**

बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने किया था। इस बार ताजिकिस्तान की राजधानी दुशांबे में होने वाली बैठक में भारत की ओर से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शामिल हो रहे हैं। शंघाई सहयोग संगठन क्षेत्रीय सहयोग का एक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय मंच है। इसकी शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक में मुख्य रूप से आर्थिक सहयोग और संगठन के कामकाज से जुड़े विषयों पर चर्चा होती है। 19 और 20 अक्टूबर की बैठक में भी सदस्य देशों के बीच सहयोग

को आगे बढ़ाने और साझा पहलों की प्रगति की समीक्षा पर ध्यान रहेगा। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस बैठक का उद्देश्य सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाना है। यहां विभिन्न क्षेत्रों में जारी पहलों की प्रगति की समीक्षा भी की जाएगी। व्यापार से लेकर नवाचार तक सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक इस महत्वपूर्ण बैठक में एससीओ के सदस्य देशों के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और सांस्कृतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। इसके साथ ही संगठन के वित्तीय और संस्थागत कामकाज से जुड़े फैसलों पर भी विचार किया जाएगा। दुशांबे में होने वाली इस बैठक में भारत को एससीओ के अन्य सदस्य देशों के साथ क्षेत्रीय सहयोग से जुड़े मुद्दों पर विचार साझा करने का अवसर मिलेगा। चर्चा का प्रमुख उद्देश्य ऐसे व्यावहारिक कदमों को आगे बढ़ाना होगा, जिनसे सभी सदस्य देशों को लाभ मिल सके।

सपा के झांसे में न आयें मुसलमान: औवैसी फिर बुआ ने लगाया भतीजे आकाश पर बड़ा दांव, बना दिया संयोजक

रामपुर, एजेंसी। एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन औवैसी ने मुस्लिम मतदाताओं से समाजवादी पार्टी के झांसे में नहीं आने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि अब नेहरू, गांधी या यादव को अपना नेता नहीं बनाएंगे अपना मुस्कबिल मुसलमान खुद तय करेगा। उन्होंने शेर पढ़ते हुए कहा कि, "कुछ देर की खामोशी है, फिर शोर आएगा, तुम्हारा वक्त आया है अखिलेश बाबा हमारा दैर आएगा।" एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन औवैसी ने जिले के टांडा में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव जी 2014, 2017, 2019, 2022 में मुसलमान ने किसें वोट किया। इसके बाद परिणाम क्या रहा। उन्होंने कहा कि रामपुर जिले में मुस्लिमों की संख्या अधिक है तभी देश के पहले चुनाव में 1952 में नेहरू जी ने मौलाना अबुल कलाम आजाद को यहां भेजा और पहले सांसद बने। उन्होंने कहा कि रामपुर शहर में काम हुआ, लेकिन देहात में काम नहीं हुआ है। उन्होंने आजम खान पर ईर्ष्ये कार्रवाई को गलत बताया और उनको राहत मिलने की दुआ की। औवैसी ने कहा कि अब मुस्लिमों

को एकजुट होना होगा, पीढ़ी दर पीढ़ी बोड़ी बनाना नहीं, स्कूल जाने पर जोर देना होगा। सपाईं औवैसी की पार्टी को बी टीम बताते हैं, जबकि राज्यसभा में अपने चचा को भेजते हैं। गुजरात के नथानी कौन हैं, ये सभी जानते हैं। रामपुर के लोगों को अपना मुस्तकबिल बनाना है तो मजलिस के साथ आना होगा। कहा कि रामपुर ने देश की आजादी में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। अब देश को बदलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि रामपुर और मुरादबाद में मुस्लिमों और दलितों की संख्या बहुत है। यहां दवाई की गोली तो नहीं लेकर मायावती ने कई यू-टर्न भी लिए, जिसमें भतीजे आकाश आनंद की कई बार पार्टी से निकाला और दोबारा शामिल किया गया। अब आकाश आनंद को ही आगे करने के पीछे मायावती की मंशा पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। पार्टी सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मायावती की इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य जैन-जी यानी युवा पीढ़ी को

लखनऊ, एजेंसी। बसपा प्रमुख मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद पर कई यू-टर्न के बाद अब बड़ा राजनीतिक दांव लगाया है। उन्हें बहुजन समाज पार्टी का राष्ट्रीय संयोजक बनाते हुए उत्तर प्रदेश, पंजाब और उत्तराखंड तक में जनसभाओं की विस्तृत सूची जारी की गई है। बसपा इन दिनों अपने वजूद और परंपरागत वोट बैंक को बचाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। राष्ट्रीय पार्टी होने के बाद भी यूपी में विधानसभा से लेकर लोकसभा तक पार्टी का प्रतिनिधित्व लगभग खत्म हो चुका है। ऐसे में पिछले कुछ महीनों में संगठन को लेकर मायावती ने कई यू-टर्न भी लिए, जिसमें भतीजे आकाश आनंद की कई बार पार्टी से निकाला और दोबारा शामिल किया गया। अब आकाश आनंद को ही आगे करने के पीछे मायावती की मंशा पर राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज है। पार्टी सूत्रों और राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मायावती की इस रणनीति का मुख्य उद्देश्य जैन-जी यानी युवा पीढ़ी को



बसपा से जोड़ना है। जिस तरह आकाश आनंद को आगे किया गया है, उससे सपा है कि पार्टी अपने कोर वोट बैंक में युवाओं को छिटकने नहीं देना चाहती। संगठन का एक बड़ा तबका भी आकाश को पार्टी से बाहर रखने के पक्ष में नहीं था, और कई वरिष्ठ नेता समय-समय पर उन्हें मौका दिए जाने की पैरवी करते रहे थे। बसपा के परंपरागत वोट बैंक को युवा नेता चंद्रशेखर आजाद की आजाद समाज पार्टी से बड़ा खतरा महसूस हो रहा है। चंद्रशेखर खेमें में युवाओं की बढ़ती भागीदारी ने बसपा

संगठन के भीतर बेचैनी पैदा की है। मायावती की पकड़ जहां बहुजन समाज की पुरानी पीढ़ी में अब भी है, वहीं नौजवान कई मुद्दों को लेकर अलग-अलग खेमों में बंट सकते हैं। विधानसभा चुनाव की तैयारियों की पिछली बैठकों में बसपा संगठन ने इस खतरे की गहन समीक्षा की थी। हाल ही में मायावती ने आकाश आनंद को परिपक्व बताते हुए उनके काम की सराहना की। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति

से संन्यास लेने के बाद आकाश आनंद बसपा के राष्ट्रीय संयोजक के रूप में काफी सूझबूझ व परिपक्वता दिखा रहे हैं। उन्होंने आकाश की जनसभाओं की तारीखें भी साझा कीं। आकाश 28 अक्टूबर को बुलंदशहर, 2 नवंबर को सहारनपुर, 20 नवंबर को अयोध्या, 22 नवंबर को अग्रा और 29 नवंबर को कानपुर में जनसभाएं संबोधित करेंगे। इसके अतिरिक्त, वह 26 नवंबर को पंजाब में संविधान दिवस समारोह और 6 दिसंबर को हरिद्वार (उत्तराखंड) में डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि पर आयोजित जनसभा को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करेंगे। मायावती ने यह भी स्पष्ट किया कि आकाश के ससुर अशोक सिद्धार्थ ही बीते दिनों हुए अप्रिय घटनाक्रमों के लिए जिम्मेदार थे और उनकी अब पार्टी में कभी वापसी नहीं होगी। उन्होंने बताया कि उनके छोटे भतीजे ईशान आनंद लंदन से वकालत की पढ़ाई पूरी कर चुके हैं और दिल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में चुनाव व संगठन से जुड़े कार्यों में सहयोग करेंगे।

भारत में सिर्फ चुनावों से ही बदलेगी सत्ता, हिंसा और बाहरी दखल अस्वीकार्य : रिजिजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने स्पष्ट किया कि भारत, बांग्लादेश या फ्रांस जैसे देशों से भिन्न है, जहाँ हिंसक घटनाओं या बाहरी साजिशों के जरिए सत्ता परिवर्तन की कोशिश होती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भारत में भी कुछ नेताओं ने युवाओं को भड़काने और सड़कों पर हिंसा फैलाने की खतरनाक साजिश रची थी। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने दृढ़ता से कहा कि ऐसी साजिशें रचने वाले यह भूल गए कि भारत में सत्ता परिवर्तन केवल चुनावों के माध्यम से होता है, न कि किसी बाहरी ताकत या जॉर्ज सॉरोस के जरिए किया जा सकता है। केंद्रीय मंत्री रिजिजू ने वीडियो साझा किया, जिसमें राहुल गांधी और नेहा बोरा दिख रहे थे। उन्होंने नेहा बोरा के उस हासिया वीडियो संदेश का वलाट दिया, जिसमें उन्होंने बांग्लादेश के सोशलिस्ट स्टूडेंट्स फ्रंट (एसएसएफ) को बधाई देकर भारतीय जैन-जी आंदोलन को बांग्लादेश के छात्र आंदोलनों से प्रेरित बताया था। एसएसएफ बांग्लादेश में छात्र आंदोलन और तख्तापलट की घटनाओं में सक्रिय रहा है।

केजरीवाल का केंद्र पर हमला, देश के सबसे बड़े गैंगस्टर को अपना ‘दामाद’ बनाया

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के एक स्पष्ट सुरक्षा और संवर्धन योजना होनी चाहिए, जिसे प्रदर्शनों की अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से बताया जाए। उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा ब्रिटिश सिस्टम की आलोचना कर चरणबद्ध रणनीति का प्रस्ताव दिया। इसके तहत, पहली पंक्ति में लाठीचार्ज सिविल डिफेंस के युवा पुरुष और महिला सदस्य होने चाहिए। यदि थोड़े बेकाबू होती हैं, तब दूसरी पंक्ति में हेडगियर और बाँड़ी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियां नहीं होंगी। केवल अत्याधिक उपस्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सशस्त्र पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात देखकर बल प्रयोग करेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।



खरीद, प्रशिक्षण और तैनाती के साथ-साथ फुटेंज की सुरक्षित समीक्षा के लिए अभी से तैयारी शुरू करने का आग्रह किया। इसके पहले, पूर्व आईपीएस अधिकारी बेदी ने जंतर-मंतर को विरोध प्रदर्शनों के लिए अनुपयुक्त बताकर इस शहर के संवेदनशील स्थानों और व्यावसायिक क्षेत्र के करीब होने का हवाला दिया था। उनकी इस मांग पर गृह मंत्रालय ने अब रामलीला मैदान और अन्य स्थानों को इसके लिए चिह्नित किया है। पूर्व

आईपीएस अधिकारी बेदी ने कहा कि रामलीला मैदान जैसी नई जगहों के लिए स्थानों का प्रस्ताव दिया। इसके तहत, पहली पंक्ति में लाठीचार्ज सिविल डिफेंस के युवा पुरुष और महिला सदस्य होने चाहिए। यदि थोड़े बेकाबू होती हैं, तब दूसरी पंक्ति में हेडगियर और बाँड़ी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियां नहीं होंगी। केवल अत्याधिक उपस्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सशस्त्र पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात देखकर बल प्रयोग करेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के एक स्पष्ट सुरक्षा और संवर्धन योजना होनी चाहिए, जिसे प्रदर्शनों की अनुमति देते समय स्पष्ट रूप से बताया जाए। उन्होंने विरोध-प्रदर्शनों से निपटने के मौजूदा ब्रिटिश सिस्टम की आलोचना कर चरणबद्ध रणनीति का प्रस्ताव दिया। इसके तहत, पहली पंक्ति में लाठीचार्ज सिविल डिफेंस के युवा पुरुष और महिला सदस्य होने चाहिए। यदि थोड़े बेकाबू होती हैं, तब दूसरी पंक्ति में हेडगियर और बाँड़ी आर्मर से लैस महिला पुलिसकर्मी होंगी, जिनके पास लाठियां नहीं होंगी। केवल अत्याधिक उपस्थिति में ही अंतिम उपाय के तौर पर सशस्त्र पुलिस बल का उपयोग किया जाना चाहिए, जो हालात देखकर बल प्रयोग करेंगे। पूर्व आईपीएस अधिकारी का मानना है कि भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए अच्छी तैयारी ही सबसे अच्छा बचाव है।



संभालने में नाकाम है और गैंगस्टर को भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी आपराधिक गतिविधियां चलाने की सुविधाएं मिलने का आरोप लगा दिया। उन्होंने पंजाब की राजनीति का जिक्र कर कहा कि राज्य के लोगों को मतदान करते समय कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर विचार करना चाहिए। हालांकि, गैंगस्टर को सरकारी संरक्षण मिलने संबंधी उनके आरोपों की केजरीवाल ने कहा कि केंद्र सरकार अपने राज्यों में कानून-व्यवस्था

गोलीबारी की घटना के बाद सामने आया है। पुलिस के अनुसार, अभिनेता जब अपनी गाड़ी से मैदान से बाहर निकल रहे थे, तभी भीड़ के बीच से उनकी कार पर तीन से कर राउंड गोलियां चलाई गईं। घटना में टाइगर श्रॉफ सुरक्षित बच गए, लेकिन दो लोग घायल हो गए। इममें उनके ड्राइवर फिरदौस भी शामिल हैं, जिनके बाएं हाथ में गोली लगी। मुंबई पुलिस ने मामले की जांच के लिए 15 टीमें गठित की हैं। पुलिस गोलीबारी में शामिल लोगों की पहचान करने, हमले के पीछे की वजह का पता लगाने और घटनास्थल से मिले साक्ष्यों की जांच में जुटी है। फिलहाल, जांच के निष्कर्ष सामने आने का इंतजार है।

काँकरोच आंदोलन बनेगी यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा के लिए नई चुनौती?

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले, दिल्ली में काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेतृत्व में चल रहे आंदोलन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। यह आंदोलन अब केवल नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं के विरोध तक सीमित नहीं रहा, बल्कि युवाओं के असंतोष, लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) जैसे मुद्दों से भी जुड़ गया है। हालांकि, इसका आगामी चुनावों पर कितना असर पड़ेगा, यह देखना बाकी है। हाल ही में दिल्ली में हुए प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की सख्ती, मेट्रो स्टेशनों का बंद होना

और मोबाइल इंटरनेट सेवाओं का निर्वलन चर्चा में रहा। 10 और 16 अक्टूबर को बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारियों और सीजेपी संस्थापक अभिजीत दीपके को हिरासत में लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि प्रशासन भले ही सड़कों पर भीड़ नियंत्रित कर ले, लेकिन किसी आंदोलन से जुड़े राजनीतिक संदेश को रोकना आसान नहीं होता। कई बार ऐसी सख्ती आंदोलन को बंद करने के बजाय उस आंदोलन को और अधिक चर्चा दिला देती है, जिससे भाजपा के सामने व्यापक असंतोष बढ़ने का खतरा है। चुनावी पारदर्शिता से जुड़े सवालों के बीच मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर

विवाद जारी है। देशभर में करीब 13 करोड़ नाम प्रारूप सूचियों से हटाने का दावा किया, जिस पर आलोचकों ने कुछ समुदायों पर असमान प्रभाव पड़ने की आशंका जाहिर की है। 2024 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा को बड़ा झटका लगा था, जब उसकी सीटें 62 से घटकर 33 रह गईं। विपक्षी समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने मिलकर 43 सीटें जीतीं, जो भाजपा के लिए एक स्पष्ट चेतावनी थी। इस झटके के बाद, भाजपा ने संगठनात्मक स्तर पर बृ्थ प्रबंधन मजबूत करने, जातिगत समीकरणों को साधने और कल्याणकारी योजनाओं पर जोर दिया है। महिलाओं को आर्थिक सहायता देने जैसी योजनाएं 2027 के

लिए भाजपा की रणनीति का अहम हिस्सा बन सकती हैं। हालांकि, राजनीतिक विश्लेषकों ने उत्तर प्रदेश के लिए तीन संभावित परिदृश्य बताए हैं। भाजपा की वापसी, 2024 जैसा विपक्षी गठबंधन का मजबूत प्रदर्शन, या बढ़ती भाजपा विरोधी भावना से सत्ता परिवर्तन है। 2024 के लोकसभा नतीजों को विधानसभा सीटों के आधार पर इंडिया गठबंधन को भाजपा-नेतृत्व वाले एनडीए से ज्यादा सीटों पर बढ़त मिली थी, लेकिन विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मुद्दे भिन्न हो सकते हैं। अंततः, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनौती संभावनाएं केवल काँकरोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि



जातीय समीकरण, बेरोजगारी, महंगाई और विपक्ष की एकजुटता जैसे कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चुनावी संभावनाएं केवल काँकरोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि

अधिकारों से जुड़े मुद्दों का विस्तार और विपक्ष की एकजुटता जैसे कारक भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। चुनावी संभावनाएं केवल काँकरोच आंदोलन से तय नहीं होंगी, बल्कि

संपादकीय

बत्वे और इंटरनेट

ऐसे दौर में जब आस्ट्रेलिया-फ्रांस व अन्य विकसित देशों में सोशल मीडिया तक बच्चों की पहुंच सीमित करने के कानून बने हैं, सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच उनका मौलिक अधिकार है। इस पर प्रतिबंध लगाना अनुचित है। कोर्ट ने माना कि इंटरनेट तक पहुंच और इस्तेमाल करने का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के साथ-साथ अनुच्छेद 19(1) (ए) के तहत निर्धारित ह्वाक? और अभिव्यक्ति की आजादी ्ह में ही निहित है। दरअसल, न्यायमूर्ति जे.बी. पारदोवाला और न्यायमूर्ति केवी चंद्रन की पीठ इंटरनेट के जरिये बच्चों के शोषण और दुर्व्यवहार से जुड़ी सामग्री का पता लगाने और उसे हटाने के उपायों पर विमर्श कर रही थी। इसी बीच कई देशों द्वारा एक निर्धारित उम्र तक के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच सीमित करने का मामला सामने आया। भारत में भी इस तरह के प्रतिबंध लगाने की मांग की जा रही है। अदालत का मानना था कि हम बच्चों से जुड़ी ऐसी चिंताओं को स्वीकार करते हैं, लेकिन इंटरनेट पर प्रतिबंध इसका न्यायोचित विकल्प नहीं है। शीर्ष अदालत ने माना कि इस माध्यम से बच्चों को दूर रखकर हम उनकी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकते। अदालत का तर्क था कि बच्चों की आजादी और सुरक्षा एक दूसरे के खिलाफ नहीं है, बल्कि उन्हें दोनों ही चीजें मिलनी चाहिए। अदालत का मानना था कि नई पीढ़ी के बच्चों के लिये इंटरनेट सीखने का माध्यम भी है। दूरदराज के इलाकों में जानकारी पाने का एकमात्र जरिया होता है।

वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट ने इस बात का गंभीरता से संज्ञान लिया कि देश में नाबालिगों से जुड़ी अश्लील सामग्री रोकने में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म लापरवाही दिखा रहे हैं। अदालत का मानना था कि सभी हितधारक यह सुनिश्चित करें कि बच्चों को हानि पहुंचाने वाली कोई भी सामग्री प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से उपलब्ध न हो सके। यह सामग्री न अपलोड की जाए और न ही उसे प्रोत्साहन दिया जाए। कोर्ट ने इस बात को लेकर भी नाराजगी जतायी कि मध्यस्थों व सोशल मीडिया मंचों ने वर्ष 2024 में जारी किए गए कोर्ट के निर्देशों का ईमानदारी से पालन नहीं किया। साथ ही पीठ का मानना था कि आज इंटरनेट शिक्षा, सूचना और सामाजिक भागीदारी का एक सशक्त माध्यम बना है। ऐसे में यदि प्रतिबंध लगाए जाते हैं तो वे निष्प्रभावी होंगे, बल्कि नुकसान पहुंचाने वाले भी हो सकते हैं। इसका नुकसान यह हो सकता है कि बच्चे ऐसी ऑनलाइन जगहों को सर्च करना शुरू कर सकते हैं, जो नियम-कानून कम होने की वजह से ज्यादा घातक हो सकती हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि उसकी टिप्पणी का यह अर्थ नहीं निकाला जाए कि उम्र के आधार पर कोई पाबंदी नहीं होनी चाहिए। पीठ के मुताबिक–हमारी धारणा है कि ऑनलाइन सुरक्षा के लिये कुछ सुरक्षा उपाय होने जरूरी हैं। अभिभावकों के पास उपलब्ध सामग्री की निगरानी की भी व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अंतर्गत ऐसी व्यवस्था हो सकती है, जिसमें माता-पिता के मार्गदर्शन,सहमति और निगरानी में बच्चे सोशल मीडिया मंचों का उपयोग कर सकें।

चितन-मनन

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मीन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती हैं। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फड़ियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फड़ियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही ओकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह सभी साथी परिवार तुम्हें विरोध में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताते वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहदयता के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नजर फेर लेता है वह नीच येोनियों में जन्म लेता है। जरूरत के समय दूसरों की सहायता करने वाला व्यक्ति कई पापों से मुक्त हो जाता है। इसलिए व्यक्ति को परमार्थी होना चाहिए। मनुष्य का जन्म ही इस उद्देश्य के लिए हुआ। जो व्यक्ति इस अर्थ को नहीं समझता उसे अर्थी पर जाकर ही जीवन का अर्थ ज्ञात होता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संर्पक करें या व्हाट्सएप करें।

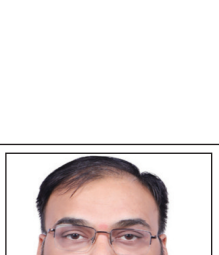
9456884327/8218179552



प्रो. संजय द्विवेदी

कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं ! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोध, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है।

लंबे समय की गुलामी ने हमें आत्मदैत्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति-पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और



सौरभ वाघ्या

मुंबई को देश की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सपनों के शहर के रूप में भी जाना जाता है। यहां हर दिन लाखों लोग बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर पहुंचते हैं। मयागनगरी की चमक-दमक, फिल्मी सितारों की लोकप्रियता, उद्योग व्यापार की रफ्तार और चीबीसों घंटे सक्रिय रहने वाली जिंदगी मुंबई की पहचान है। लेकिन जब इसी महानगर में संरेआम गोलीबारी की घटनाएं सामने आती हैं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है। क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है? क्या कभी संगठित अपराध और अंडरवर्ल्ड की दहशत के लिए चर्चा में रहने वाला यह शहर एक बार फिर असुरक्षा के साये में जाने लगा है?अभिनेता टाइगर श्राॉफ की गाड़ी पर जुहू के पुष्पा पार्क इलाके के पास कथित गोलीबारी की घटना ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा की हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, बाइक सवार तीन लोग वहां पहुंचे और अचानक टाइगर श्राॉफ की गाड़ी पर गोलियां चलाने लगे। इस घटना में अभिनेता के परिचित होने की बात सामने आई है, जबकि उनके ड्राइवर और पास में मौजूद एक ऑटो-रिक्षा चालक के घायल होने की सूचना है। घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी है।व्दि घटना से जुड़ी ये जानकारीयां जांच में पुष्ट होती हैं, तो यह केवल किसी फिल्मी सितारे की सुरक्षा का मामला नहीं रह जाता। यह उस आम नागरिक की सुरक्षा का भी प्रश्न बन जाता है, जो रोजी-रोटी कमाने के लिए सड़क पर निकलता है, अटी चलाता है, टैक्सी में सफर करता है या अपने काम से घर लौट रहा होता है। किसी चर्चित अभिनेता की गाड़ी पर गोलीबारी होने से

खुद को आधा-अधुरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद, महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दास्तानों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था।

औसत भारतीय का आचरण अंग्रेजी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कॉहिनूर को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने 'अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग' छोड़कर 'अंग्रेजियत की पगडंडियों' पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा-परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के सचेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। 'स्व' के स्थान पर 'परकीय' विचारों की स्थाना की प्रयास खूब चले। हम एक 'राष्ट्र' नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बक्सस स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

खबर सुर्खियों में आना स्वाभाविक है। टाइगर श्राॉफ की लोकप्रियता के कारण इस घटना पर देशभर की निगाहें टिकनी भी असामान्य नहीं है। मगर इस घटना का सबसे गंभीर पहलु यह है कि गोलीबारी की चोट में वे लोग भी आ सकते थे, जिनका न तो फिल्मी दुनिया से कोई संबंध है और न ही किसी विवाद से। ड्राइवर और ऑटो-रिक्षा चालक जैसे आम लोग ऐसी घटनाओं में बिना किसी गलती के अपनी जान जोखिम में डाल देते हैं। सवाल यह है कि अगर सार्वजनिक स्थानों पर इस तरह अचानक गोलियां चलाई जा सकती हैं, तो आम नागरिक कितने सुरक्षित हैं? सड़क पर खड़ा व्यक्ति, बाजार में खरीदारी करने वाला परिवार, रर रात ड्यूटी से लौटता कर्मचारी और अपने बच्चों के साथ बाहर निकला अभिभावक। इन सभी को सुरक्षा का भरोसा मिलना चाहिए। कानून-व्यवस्था का वास्तविक आकलन केवल बड़े लोगों की सुरक्षा से नहीं, बल्कि आम जनता के भयमुक्त जीवन से होता है। मुंबई ने एक दौर में अंडरवर्ल्ड, जबन वसूली और संगठित अपराध की चुनौतियों का सामना किया है। उस दौर में फिल्म उद्योग, कारोबारी जगत और आम नागरिकों के बीच भय का वातावरण घेय करने वाली घटनाएं भी हुई थीं। पुलिस की कार्रवाई, खुफिया तंत्र की सक्रियता और कानून के सख्त इस्तेमाल से शहर ने कई मोर्चों पर अपनी स्थिति मजबूत की।

ऐसे में गोलीबारी जैसी कोई घटना लोगों को उस पुराने दौर की याद दिला सकती है। हालांकि, किसी एक घटना के आधार पर यह निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा कि मुंबई में अंडरवर्ल्ड का पुराना आतंक लौट आया है। इसके पीछे व्यक्तिगत रंजिश, अपराधिक गिरोहों की गतिविधि, धमकी, वसूली या कोई अन्य कारण है या नहीं, यह जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट होगा। लेकिन इतना तय है कि ऐसी घटनाओं को हलकें में लेने की गुंजाइश नहीं है। समय रहते अपराधियों की पहचान, उनके नेटवर्क का खुलासा और हथियारों की उपलब्धता के स्रोत तप पहुंचना जरूरी है। यदि घटना के पीछे संगठित अपराध का हाथ निकलता है, तो कार्रवाई केवल गोली चलाने वालों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में बढी चाहिए। मुंबई पुलिस देश के सबसे अनुभवी पुलिस बलों में गिनी

पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पोंगापंथ और पिछड़ेपन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया।

राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे 'विचारों की घर वापसी' कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भावनात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुकुल व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाप संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे। दुनिया भर में चल रहे सभ्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार है। जहां साझापन सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज होने कारण हमने मतेभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी 'शास्त्रार्थ' परंपरा है। इसलिए 'एक किताब, एक विचार, एक देवता' को मानने और दूसरे विचार को समाप्त करने को आतुर विचार भारत को नहीं समझ सकते। जहां दुनिया के हर पंथ के लोग नैसर्गिक सहजता से सांस ले सकते हैं। यहां कोई श्रेष्ठ और निकृष्ट नहीं है। सब समान रूप से इस धरती मां की सतानें हैं। ऐसे में भारत केद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। 'स्वत्व' ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा

गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, विद्यानिवास मिश्र का अध्ययन मदद कर सकता है। इससे भारत के मूल विचार को समझने तथा भारत का मौलिक चिंतन स्थापित करने में मदद मिलती है। इससे ही गलत बातों का खंडन करते हुए हम सही विमर्श की स्थापना में सफल हो पाएंगे।

भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी विवेकानंद में दिखती है। ऐसे में ह्रस्वबोधध्दा का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करें। वह आत्मदैत्य से मुक्त होकर 'भारत' को 'भारत' (ईंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करें। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक-सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सी विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़े जाते हैं। भारत जिसे कभी 'ईंडिया' बनाने की कोशिशें हुईं, उसे भारत बनाए रखने के लिए हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा, जिसने हमें 'वसुधैव कुटुम्बक' का संदेश दिया। जिसने हमें राम, कृष्ण,शिव, बुद्ध, महावीर, गुरु नानक देव जैसे नायक दिए। जिसने रसवें भवन्तु सुखिनःः में अपनी मुक्ति देखी और लोक-मंगल जिसका मूलमंत्र रहा।

क्या मुंबई में खौफ फिर लौट आया है?

जाती है। शहर की आबादी, आर्थिक गतिविधियों और संवेदनशील प्रतिष्ठानों को देखते हुए यहां सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना एक बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसे में पुलिस के सामने चुनौती केवल घटना के बाद अभियानों को गिरफ्तार करने की नहीं, बल्कि भविष्य में इस तरह की वारदातों को रोकने की भी है। जांच एजेंसियों को घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान, इस्तेमाल किए गए हथियारों और हमलावरों के आने-जाने के रास्तों की पड़ताल करनी चाहिए। गोलीबारी के पीछे की मंशा का पता लगाना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। क्या किसी को डराने की कोशिश की गई? क्या किसी तरह की धमकी दी गई थी? क्या यह किसी अपराधिक गिरोह की गतिविधि है? इन सभी सवालों के जवाब तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सामने आने चाहिए। साथ ही, घायल लोगों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराने और उनके बयान दर्ज करने की प्रक्रिया में संवेदनशीलता बरतना जरूरी है। शहर की जांच परादर्शी होनी चाहिए, ताकि जनता के बीच फैलने वाली अफवाहों और अनावश्यक भय पर भी अंकुश लगाया जा सके।

किसी महानगर में गोलीबारी की घटना केवल पुलिस की गश्त पर सवाल नहीं उठाती, बल्कि यह भी पूछती है कि अपराधियों तक हथियार कैसे पहुंच रहे हैं। यदि जांच में अवैध हथियारों के इस्तेमाल की पुष्टि होती है, तो हथियारों की तस्करी और उनकी आपूर्ति करने वाले नेटवर्क पर कार्रवाई अनिवार्य हो जाती है। अपराध रोकने के लिए सड़कों पर पुलिस की मौजूदगी के साथ-साथ खुफिया जानकारी जुटाने, संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने और विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को मजबूत करना होगा। संवेदनशील इलाकों में प्रभावी निगरानी, त्वरित पुलिस प्रतिक्रिया और तकनीक का जिम्मेदार इस्तेमाल अपराधियों के लिए मुश्किलें बढ़ा सकता है।सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि कानून का भय अपराधियों के मन में होना चाहिए, नागरिकों के मन में नहीं। यदि अपराधी इस विश्वास के साथ वारदात करते हैं कि वे आसानी से बच निकलेंगे, तो यह व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। त्वरित जांच, निष्पक्ष अभियोजन और दोष सिद्ध होने पर कानून के अनुसार सजा ही न्याय व्यवस्था में विश्वास मजबूत कर सकती है। ऐसी घटनाओं के बाद सोशल मीडिया पर

तरह-तरह के दावे और अपुष्ट जानकारीयां प्रसारित होने लगती हैं। कभी किसी गिरोह का नाम उछाला जाता है, तो कभी बिना प्रमाण किसी बड़े षड्यंत्र की चर्चा होने लगती है। इससे जांच प्रभावित हो सकती है और आम लोगों में बेवजह डर फैल सकता है।मीडिया की जिम्मेदारी है कि वह घटना की गंभीरता को सामने लाए, पुलिस से जवाबदेही मांगे और जनता को सही जानकारी दे। लेकिन जांच पूरी होने से पहले किसी व्यक्ति या संगठन को दोषी ठहराना पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विरुद्ध है। लोकतंत्र में सवाल पूछना जरूरी है, मगर सवालों के जवाब तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर तलाशना उम्हसे भी अधिक जरूरी है।

मुंबई की पहचान उसकी जीवंतता, मेहनतकश लोगों और विपरीत परिस्थितियों से उबरने की क्षमता से बनी है। किसी गोलीबारी की घटना से पूरे शहर को असुरक्षित घोषित करना उचित नहीं, लेकिन ऐसी वारदातों को सामान्य मान लेना भी खतरनाक है। शहर की आर्थिक गतिविधियों और सामाजिक जीवन को निरंभ बनाए रखने के लिए नागरिकों का भरोसा कायम रहना चाहिए।महाराष्ट्र सरकार और मुंबई पुलिस को यह सुनिश्चित करना होगा कि अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई निष्पक्ष, प्रभावी और समयबद्ध हो। फिल्मी सितारों और अन्य महत्वपूर्ण व्यक्तियों की सुरक्षा के साथ आम नागरिकों की सुरक्षा भी प्राथमिकता होनी चाहिए, जो रोज सड़कों पर काम करते हैं और शहर की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं।टाइगर श्राॉफ की गाड़ी पर कथित गोलीबारी की घटना मुंबई के लिए एक गंभीर चेतावनी है। अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि शहर में अंडरवर्ल्ड का पुराना खौफ लौट आया है, लेकिन यह सवाल जरूर उठता है कि अपराधियों के हासले बढ? कि किसी भी संभावना को समय रहते कैसे रोका जाए। पुलिस को जांच के जरिए सच्चाई सामने लानी होगी, अपराधियों को कानून के कटघरे में खड़ा करना होगा और जनता को सुरक्षा का भरोसा देना होगा। मुंबई को डर के साये में नहीं, विश्वास और सुरक्षा के वातावरण में आगे बढ? चाहिए। मयागनगरी की असली ताकत उसकी चमक-दमक नहीं, बल्कि उसके नागरिकों का साहस और कानून पर उनका भरोसा है। इस भरोसे को बनाए रखना ही शासन और पुलिस की सबसे बड़ी कसीटी है।

प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में शक्ति और सामर्थ्य से सार्थक हो रहा है भारत

विजयादशमी सत्य की शक्ति और शक्ति की सार्थकता का महापर्व है। यह भारतीय चेतना का वह प्रकाश है, जो हमें विश्वास दिलाता है कि अन्याय किनारा भी प्रबल हो, प्रतिकार का संकल्प उससे बड़ा होता है। असत्य का वैभव क्षणिक है, सत्य का सामर्थ्य शाश्वत। भगवान श्रीराम की विजय इसी विश्वास की प्रतिष्ठा है। यह पर्व हमें सिखाता है कि सत्य के प्रति आस्था के साथ उसकी रक्षा का साहस भी आवश्यक है। न्याय की कामना तभी फलित होती है, जब समाज उसके लिए खड़ा होने का संकल्प लेता है। भगवान श्रीराम के देश में शक्ति की आराधना का उद्देश्य सदैव लोकमंगल रहा है। श्रीराम का धनुष पीड़ितों के लिए आश्वासन और अत्याचारियों के लिए चेतावनी है। उनका पराक्रम मर्यादा से प्रेरित है और उनका प्रत्येक संकल्प जनकल्याण के लिए समर्पित है। उन्होंने वनवास के कठिन मार्ग पर समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर यह सिद्ध किया कि विश्वास, संगठन और सामूहिक पुरुषार्थ से बड़ी से बड़ी चुनौती पर विजय प्राप्त की जा सकती है। यही हमारी सांस्कृतिक चेतना का आधार और राष्ट्रनिर्माण का मार्ग है। विजयादशमी पर शस्त्र-पूजन इसी चेतना की अभिव्यक्ति है। शस्त्रों का पूजन करते हुए हम शक्ति के विवेकपूर्ण उपयोग और उसके साथ जुड़े उत्तरदायित्व को स्वीकार करते हैं। हम संकल्प लेते हैं कि हमारा बल निर्बल की रक्षा करे, हमारा साहस अन्याय के विरुद्ध खड़ा हो और हमारा पराक्रम मानवता के कल्याण में समर्पित रहे। शस्त्र धारण करने वाले हाथों में संयम और निर्णय लेने वाले मन में संवेदना हो यही इस परंपरा का संदेश है। मर्यादा से अनुशासित शक्ति ही समाज का विश्वास बनती है। आज यही भाव भारत के राष्ट्रीय आत्मविश्वास में दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति दृढ़ संकल्प और भारतीय सशस्त्र बलों का अद्वय पराक्रम देशवासियों को गर्व से भरता है। भारत शांति, सहयोग और सह-अस्तित्व में विश्वास रखता है।



अपनी संप्रभुता, स्वाभिमान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए आवश्यक निर्णय लेने का उसका संकल्प भी उतना ही अटल है। हमारी शांतिप्रियता को हमारे सामर्थ्य का संबल प्राप्त है। सजग और समर्थ भारत विश्वशांति के प्रति अपने दायित्व को भी दृढ़ता से निभा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सशस्त्र बलों ने आतंकवादी दाँवों के विरुद्ध सटीक कार्रवाई कर साहस, कौशल और सैन्य दक्षता का परिचय दिया। हमारे वीर जवानों ने अपने पराक्रम से राष्ट्र के सुरक्षा संकल्प को संभाल किया। यह

शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए।

सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता

शौर्य प्रत्येक भारतीय के लिए गौरव और विश्वास का विषय है। विजयादशमी पर हम अपने सैनिकों को नमन करते हुए उस कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लें, जिसके लिए राष्ट्र की रक्षा सर्वोपरि है। देश का सम्मान सुरक्षित रखने वाले इन प्रहरियों के प्रति हमारी कृतज्ञता हमारे आचरण में भी दिखाई देनी चाहिए।

सीमा पर तैनात सैनिक का जीवन त्याग और तपस्या की जीवंत गाथा है। जब हम अपने परिवार के साथ पर्व मनाते हैं, तब वह अपने परिवार से दूर हमारी सुरक्षा में तैनात रहता

हसनपुर में शिक्षक विधायक निर्वाचन को लेकर खंड एवं बृथ स्तरीय बैठक आयोजित

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना) :-

जनपद के हसनपुर नगर स्थित रामसरन सुशीला आनंद हाईस्कूल में आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले बरेली-मुरादाबाद खंड शिक्षक विधायक निर्वाचन के संबंध में हसनपुर ब्लॉक एवं गंगेश्वरी ब्लॉक की खंड एवं बृथ स्तरीय महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में शिक्षक निर्वाचन की तैयारियों, मतदान प्रक्रिया एवं संगठनात्मक समन्वय को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर उपस्थित सभी



पदाधिकारियों, सम्मानित शिक्षकगण एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने

दायित्वों के निर्वहन तथा निर्वाचन संबंधी व्यवस्थाओं पर विचार-विमर्श

यूपी विधान परिषद चुनाव: ऑनलाइन जानें अपना मतदेय स्थल और वोटर लिस्ट में क्रम संख्या

लखनऊ। मतदान के दिन मतदेय स्थल खोजने और मतदाता सूची में अपना नाम व क्रम संख्या पता करने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। विधान परिषद के स्नातक और शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाता घर बैठे ऑनलाइन यह जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने मतदाताओं की सुविधा के लिए अपनी वेबसाइट पर यह व्यवस्था उपलब्ध कराई है। इससे मतदाता मतदान से पहले ही अपने मतदेय स्थल का पता लगा सकेंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विधान परिषद के 5 स्नातक और 6 शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 23 अक्टूबर को सुबह आठ बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। मतदाता वेबसाइट पर जाकर अपने मतदेय स्थल और मतदाता सूची में क्रम संख्या की



जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। इसमें संबंधित स्नातक या शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र और जिले का चयन करना होगा। मतदाता अपना नाम, संबंधी का नाम या दोनों नाम दर्ज कर सकते हैं। नाम के प्रथम अथवा द्वितीय अक्षर के आधार पर भी खोज का विकल्प दिया गया है। इसके बाद कैप्चा कोड भरने पर संबंधित मतदाता के मतदेय स्थल और मतदाता सूची में क्रम संख्या की

जानकारी स्क्रीन पर आ जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के समय मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करना होगा। यदि किसी कारणवश मतदाता यह पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर पाते हैं, तो आयोग की ओर से निर्धारित वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेजों में से कोई एक दिखाकर अपनी पहचान प्रमाणित कर सकते हैं। इनमें आधार कार्ड, ड्राइविंग

लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, स्थानीय निकायों और अन्य निजी औद्योगिक संस्थानों की ओर से कर्मचारियों को जारी सेवा पहचान पत्र शामिल हैं। सांसदों, विधायकों एवं पार्षदों को जारी सरकारी पहचान पत्र और संबंधित शिक्षक या स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के निर्वाचक की शैक्षणिक संस्था की ओर से जारी सेवा पहचान पत्र भी मान्य होंगे। इसके अलावा विध्वविद्यालय की ओर से जारी डिग्री या डिप्लोमा का मूल प्रमाण पत्र, सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी दिव्यांगता संबंधी मूल प्रमाण पत्र तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार की ओर से जारी यूनीक डिसेबिलिटी आइडी कार्ड भी वैकल्पिक पहचान दस्तावेज के रूप में स्वीकार किए

यूपी में त्योहारों पर नहीं कटेगी बिजली, गांव-शहर में होगी समान आपूर्ति; सीएम योगी का सख्त निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने दीपावली, छठ समेत आगामी त्योहारों पर प्रदेशवासियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति देने की तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में दशहरा के अवसर पर गांव से लेकर शहर तक रोशनी से जगमग रहेंगे। जनपद, तहसील और ग्रामीण क्षेत्रों में 24 घंटे विद्युत आपूर्ति देने के निर्देश दिए गए हैं। सरकार की मंशा है कि त्योहारों के दौरान प्रदेशभर में बिजली आपूर्ति सुचारु बनी रहे। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) की टीमों पांचों डिस्कॉम क्षेत्रों में विद्युत व्यवस्था दुरुस्त करने में जुटी हैं। बिजली लाइनों और बुनियादी ढांचे के रखरखाव के साथ ट्रिपिंग रोकने के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। गांव से शहर तक निर्बाध बिजली आपूर्ति की तैयारी यूपीपीसीएल के प्रबंध निदेशक नीतीश कुमार ने बताया कि गांव से लेकर शहर, नगर निगम और नगर पालिका क्षेत्रों तक निर्बाध बिजली



आपूर्ति सुनिश्चित करने की तैयारी है। त्योहारों के दौरान सुरक्षित और सुचारु बिजली व्यवस्था बनाए रखने के लिए विभागीय टीमें लगातार सक्रिय रहेंगी। वहीं पूर्वांचल, मध्यांचल, पश्चिमांचल और दक्षिणांचल सहित सभी डिस्कॉम क्षेत्रों में विभागीय टीमों नियमित मंटेनेंस कार्य कर रही हैं। विद्युत लाइनों के संपर्क में आ रही पेड़ों की शाखाओं की कटाई-छंटाई कराई जा रही है, ताकि त्योहार के दौरान बिजली आपूर्ति में बाधा और ट्रिपिंग की समस्या को कम किया जा सके। मांग के अनुरूप बिजली उपलब्ध

कराने की तैयारी प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप आपूर्ति बनाए रखने के लिए यूपीपीसीएल लगातार निगरानी कर रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, 18 अक्टूबर को प्रदेश में 22,540 मेगावाट बिजली की मांग के सापेक्ष आपूर्ति की गई। इससे पहले 17 अक्टूबर को 23,738 मेगावाट और 16 अक्टूबर को 23,372 मेगावाट बिजली की मांग पूरी की गई थी। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, मांग के अनुरूप आपूर्ति के मामले में उत्तर प्रदेश तेलंगाणा, तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से काफी

आगे रहा है। यूपी में गांव से लेकर शहरों तक निर्धारित रोस्टर से अधिक बिजली आपूर्ति की जा रही है। योगी सरकार की ओर से त्योहारों के दौरान बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके तहत शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में आपूर्ति की निगरानी के साथ विद्युत लाइनों तथा अन्य उपकरणों के रखरखाव को प्राथमिकता दी जा रही है। पांचों डिस्कॉम क्षेत्रों में मंटेनेंस कार्य तेज पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों में बिजली विभाग की टीमें लगातार काम कर रही हैं। मध्यांचल में विद्युत बुनियादी ढांचे के रखरखाव पर जोर दिया जा रहा है, जबकि पश्चिमांचल और दक्षिणांचल में भी लाइनों और संबंधित उपकरणों की देखरेख का कार्य जारी है। विभागीय टीमें स्थानीय स्तर पर बिजली व्यवस्था की स्थिति पर नजर रख रही हैं, ताकि उपभोक्ताओं को त्योहार के दौरान परेशानी का सामना न करना पड़े। ट्रिपिंग की आशंका कम करने के

कानपुर में तार चोर गिरोह से पुलिस की मुठभेड़, एक पैर में गोली लगने से घायल; दूसरा फरार

कानपुर। बीते दिनों ट्रांसफार्मर से सामान और बिजली के तार चोरी करने वाले मामले में गिरोह के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई की है। रविवार देर रात नौबिया गांव के पास पुलिस की आरोपितों से मुठभेड़ हो गई। जवाबी फायरिंग में एक आरोपित के पैर में गोली लगी है, जबकि उसका साथी मौके से फरार हो गया। घायल आरोपित को गिरफ्तार कर पुलिस ने तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं। एसीपी कृष्णकांत ने बताया कि बीते दिनों हुई तार चोरी की घटनाओं के बाद पुलिस ने रात में गश्त बढ़ाई थी। इसी



क्रम में रविवार देर रात पुलिस टीम ग्राम नौबिया के आसपास चेकिंग की जा रही थी। तभी नौबिया की ओर से एक वाहन आता दिखाई दिया। पुलिस टीम ने वाहन को रोकने का प्रयास किया तो उसमें सवार दो लोगों

ने रुकने के बजाय वाहन छोड़ दिया और पुलिस पर फायरिंग करते हुए भागने लगे। जवाबी फायरिंग के दौरान एक आरोपित के पैर में गोली लग गई और वह गिर पड़ा, जबकि दूसरा भाग निकला। घायल आरोपित

की पहचान भेलसा निवासी पवन पुत्र रामसजीवन के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, उसके खिलाफ लूट, डकैती, चोरी और तार चोरी समेत करीब 10 मुकदमे पहले से दर्ज हैं। डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने तीन टीमें गठित की हैं। पुलिस का कहना है, कि गिरोह के अन्य सदस्यों और क्षेत्र में हुई तार चोरी की घटनाओं के संबंध में भी जानकारी जुटाई जा रही है। कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रुपये का पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

सीएसजेएमयू कानपुर में डांडिया नाइट्स की धूम, गरबा की धुन पर थिरके छात्र-छात्राएं

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) के हेलीपैड ग्राउंड में शारदेय नवरात्र के अवसर पर ह्यरास-ए-रत्रिह डांडिया नाइट का आयोजन हुआ। रंग-बिरंगे पारंपरिक परिधानों में सजे छात्र-छात्राओं ने गरबा और डांडिया की धुन पर जमकर नृत्य किया। स्टूडेंट व हास्टल काउंसिल और आत्मोद्य हबी क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उत्साह और

उल्लास का माहौल रहा। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने नृत्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति, लोक परंपराओं और नवरात्र के आध्यात्मिक महत्व को बखूबी प्रस्तुत किया। पारंपरिक गुजराती वेशभूषा में नजर आए प्रतिभागियों ने सामूहिक गरबा और डांडिया की सिक्कूंड प्रस्तुतियों से उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। इस भव्य आयोजन का मुख्य

उद्देश्य विद्यार्थियों को समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत से जोड़ना, उनमें आपसी सहयोग और सामूहिकता की भावना का विकास करना तथा छात्रावास जीवन में रचनात्मक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलप्रतिष्ठा वरिष्ठ आयुर्वेदचार्या डॉ. वंदना पाठक, विनीता पाठक, डीएसडब्ल्यू प्रो. अंशु यादव, चीफ प्राक्टर प्रो. शशिकांत त्रिपाठी, मॉडिया

प्रभारी डॉ. दिवाकर अवस्थी, चीफ वार्डन प्रो. बॉरेन्द्र प्रताप सिंह, असिस्टेंट चीफ वार्डन डॉ. ममता तिवारी और विश्वविद्यालय के सुरक्षा अधिकारी डॉ. अंकित त्रिवेदी सहित प्रांक्टोरियल बोर्ड के सदस्य और शिक्षण छात्रावासों के वॉर्डंस मौजूद रहे। अतिथियों ने विद्यार्थियों के भारी उत्साह और शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की खुलकर सराहना की।

नगर पालिका में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ संपन्न हुआ कन्या पूजन समारोह

अमरोहा (सब का सपना):- नगर पालिका परिषद अमरोहा के प्रांगण में आज कन्या पूजन समारोह श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक आस्था के साथ आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन ने कन्याओं को माँ दुर्गा का स्वरूप मानकर विधि-विधान से उनका पूजन किया। उन्होंने कन्याओं के चरण स्पर्श कर, तिलक लगाकर और प्रसाद अर्पित कर समस्त विश्व में सुख, शांति, समृद्धि तथा खुशहाली के लिए प्रार्थना की। कन्या पूजन के माध्यम से नारी शक्ति के सम्मान,



भारतीय संस्कृति और धार्मिक परंपराओं के प्रति गहन श्रद्धा का संदेश दिया गया। यह पावन परंपरा समाज में कन्याओं के प्रति सम्मान, स्नेह और सकारात्मक दृष्टिकोण को

प्रोत्साहित करती है तथा बालिकाओं को देवी स्वरूप मानने की भावना को मजबूत बनाती है। शशि जैन ने इस अवसर पर विश्व कल्याण और जन-जन की सुख-समृद्धि की

कामना की। उन्होंने कहा कि धार्मिक आस्था से जुड़े ऐसे आयोजन समाज में सद्भाव, संस्कार और आपसी सम्मान की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान सभासद अंकित गुला एवं सभासद विकास टंडन सहित नगर पालिका परिषद अमरोहा के विभिन्न अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। समारोह श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हुआ। सभी उपस्थित लोगों ने माँ दुर्गा से प्रार्थना की कि सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली बनी रहे।

आदर्श रामलीला महोत्सव में शहर में आस्था, भक्ति और आकर्षण का बना मुख्य केंद्र



अमरोहा (सब का सपना):- श्री धार्मिक रामलीला कमेटी अमरोहा के तत्वावधान में आयोजित 'आदर्श रामलीला महोत्सव 2026' इन दिनों शहर में आस्था, भक्ति और आकर्षण का मुख्य केंद्र बना हुआ है। महोत्सव के अंतर्गत मंचित किए गए युद्ध और संवाद प्रसंगों ने दर्शकों को पूरी तरह से मंत्रमुग्ध कर दिया। लंकापति रावण की सेना के महाबलियों के अंत की इन रोमांचक लीलाओं को देखने के लिए राम भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। महीनों की निद्रा से महाबली कुंभकरण को जगाने का दृश्य और इसके पश्चात 'रावण-कुंभकरण संवाद' तथा 'विभीषण-कुंभकरण संवाद' का मंचन बेहद प्रेरणादायक रहा। कुंभकरण ने जहां एक ओर अपने भाई रावण को धर्म के मार्ग पर चलने की सीख दी, वहीं



अंततः राष्ट्रधर्म और भाई के प्रति कर्तव्य निभाते हुए युद्ध भूमि में उतरकर अपने प्राण न्यौछावर किए। इसके साथ ही 'कुंभकरण वध' की लीला ने दर्शकों की आंखें नम कर दीं। रावण पुत्र मेघनाथ द्वारा निकुंबला देवी की पूजा और रावण-मेघनाथ संवाद का जीवंत मंचन किया गया। इसके बाद प्रभु श्रीराम की सेना और लंका के बीच हुए भयंकर लक्ष्मण-मेघनाथ युद्ध के प्राणत मेघनाथ वध की लीला ने दर्शकों में भारी उत्साह भर दिया। पाताल लोक के राजा अहिरावण द्वारा रची गई माया और श्रीराम-लक्ष्मण को मूर्छित कर पाताल ले जाने के प्रसंग का मंचन अत्यंत रोमांचक रहा। इसके बाद हनुमान जी और उनके पराक्रमी पुत्र मकरध्वज का युद्ध तथा अंत में संकटमोचन हनुमान द्वारा अहिरावण वध की

लीला ने पंडाल में मौजूद सभी दर्शकों को रोमांचित कर दिया। मंच पर कलाकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए सजीव अभिनय, भव्य पाश और आकर्षक युद्ध कलाओं ने पूरी रामलीला को जीवंत कर दिया। प्रसंगों के दौरान दर्शक दीर्घा से लगातार जय श्रीराम और बजरंगबली की जय के नारे गुंजते रहे। कमेटी के पदाधिकारियों ने बताया कि महोत्सव का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को सनातन संस्कृति, मयादा पुरुषोत्तम श्रीराम के आदर्शों और हमारे प्राचीन ग्रंथों से जोड़ना है। इस अवसर पर कमेटी के सभी सदस्य, गणमान्य नागरिक और हजारों की संख्या में राम भक्त उपस्थित रहे। इस अवसर पर रमेश कुमार कालू, अजय अग्रवाल, करुणेश गोयल, कपिल शर्मा, अजय चतुर्वेदी, विशाल

मतदेय स्थलों की आलेख्य सूची प्रकाशित, आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली द्वारा अहंता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों के विशेष शिक्षित पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत मतदेय स्थलों के संभाजन (Rationalization) एवं पुनर्व्यवस्थापन के निर्देश दिए गए हैं। अपर जिलाधिकारी (वि०/रा०)/उप जिला निर्वाचन अधिकारी गरिमा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आयोग के निर्देशों के अनुपालन में मतदेय स्थलों का भौतिक सत्यापन,



पुनर्निर्धारण तथा नए मतदेय स्थल स्थापित किए जाने हेतु भवनों के चिह्नानकनी कार्यवाही के उपरांत सोमवार को जिला निर्वाचन

कार्यालय, अमरोहा एवं जनपद के समस्त उपजिलाधिकारियों/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा अपने-अपने तहसील कार्यालयों में

श्री कृष्ण श्याम सुंदर शनि धाम मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन, श्रद्धालुओं ने ग्रहण किया प्रसाद



भाईचारे को बढ़ावा देना और समाज में मानवता की भावना को मजबूत करना है। श्री कर्षण श्याम सुन्दर शनि धाम मंदिर के अध्यक्ष पंकज लोधी ने कहा कि नर सेवा ही



नारायण सेवा है। धार्मिक आयोजनों की सार्थकता तभी है, जब उनकी खुशियां समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचें। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से सेवा, सहयोग और सामाजिक एकता

लखनऊ में श्रद्धालुओं से भरी बोलेरो पलटी, दो की मौत और सात लोग गंभीर रूप से घायल

लखनऊ : राजधानी की आउटर रिंग रोड किसान पथ पर सोमवार शाम को भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां सैरपुर थाना क्षेत्र के रैथा अंडरपास के पास एक गाड़ी का टायर फटने के कारण अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में दो महिलाओं मौत हो गई जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हैं। इनको अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

परिवार मां चंद्रिका देवी मंदिर से लौट रहा था। टायर फटने से वाहन अनियंत्रित होकर डिवाइडर और लोहे के खंभे से टकरा गया। हादसे में दो महिला श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि सात अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। घटना सैरपुर थाना क्षेत्र के



रैथा अंडरपास हुई है। वाहन सवार सभी लोग निमोहां थाना क्षेत्र के पश्चिम लेला कस्बे के रहने वाले हैं। नवरात्रि में गोमती के बाढ़ के चलते चंद्रिका धाम बंद किया गया था। रविवार सुबह ही मंदिर के कपाट खोले गए हैं। ये सभी लोग सुबह बोलेरो में सवार होकर दर्शन के लिए आए थे। घटना की सूचना मिलते ही घायलों के परिवार वाले पहुंच गए।

खेत पर युवती से छेड़छाड़ और मारपीट का आरोप, आरोपी गिरफ्तार

बनियाटेर/सम्भल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र में खेत पर काम कर रही युवती के साथ छेड़छाड़, गाली-गलौज और मारपीट के मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान पवन पुत्र ओमकार के रूप में हुई है। उसे ग्राम गुमथल से गिरफ्तार किया गया। पुलिस के मुताबिक, रविवार को पीड़िता ने थाना बनियाटेर स्थित मिशन शक्ति केंद्र पर सूचना दी कि शनिवार शाम वह अपने खेत पर काम कर रही थी। इसी दौरान पवन ने उसके साथ



छेड़छाड़ की। पीड़िता ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट

की। शिकायत के आधार पर थाना बनियाटेर में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई। मामले की

विवेचना के दौरान मिशन शक्ति टीम प्रभारी उपनिरीक्षक धनवीर सिंह ने टीम के साथ घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस के अनुसार, जांच में यह तथ्य भी सामने आया कि आरोपी कथित रूप से पीड़िता के रास्ते में आते-जाते अश्लील फबियां कसता था। इसके आधार पर मुकदमे में धारा 296 बीएनएस की बढ़ावती की गई। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी पवन पुत्र ओमकार को ग्राम गुमथल से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की विधिक कार्रवाई कर रही है।

स्ट्रॉबेरी की खेती को बढ़ावा तीस किसानों को वितरित की गई पौध, 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल में होगी उन्नत खेती



संभल (सब का सपना):- जनपद में कृषि क्षेत्र में विविधता लाने और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से नवीन उद्यानिकी फसलों की खेती को विशेष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी अंकित खण्डेलवाल के दिशा-निर्देशन में जिला उद्यान विभाग द्वारा एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। एकीकृत बागवानी विकास मिशन एवं मुख्यमंत्री राज्य औद्योगिक विकास योजना के तहत जनपद के 30 चयनित किसानों को स्ट्रॉबेरी की पौध उपलब्ध कराई गई है। इस पहल के

माध्यम से इस वर्ष जिले के लगभग 25 हेक्टेयर क्षेत्रफल में स्ट्रॉबेरी की व्यावसायिक खेती की जाएगी जानकारी देते हुए जिला उद्यान अधिकारी सौरभ बंसल ने बताया कि इन सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शिता के साथ किसानों तक पहुंचाने के लिए ऑनलाइन व्यवस्था लागू की गई है। इच्छुक किसानों को सबसे पहले विभाग के अधिकृत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराना होता है। पंजीकरण के उपरांत आवेदन पत्रों के सत्यापन और निर्धारित पात्रता की प्रक्रिया पूर्ण होने पर ही किसानों का चयन स्ट्रॉबेरी पौध



वितरण के लिए किया जाता है। उन्होंने पौध की उपलब्धता और गुणवत्ता के विषय में विस्तार से बताते हुए कहा कि स्ट्रॉबेरी की यह विशेष पौध पुणे से विशेष रूप से मंगाई जाती है। चूँकि पौध की मांग और शासन द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुसार ही आपूर्ति एक साथ की जाती है इसलिए पुणे से पौध की खेप प्राप्त होते ही बिना किसी विलंब के सभी पंजीकृत एवं पात्र किसानों को इसे वितरित कर दिया जाता है। जिला उद्यान अधिकारी ने जनपद के सभी प्रगतिशील किसानों से अपील की है कि वे

पारंपरिक फसलों के साथ-साथ बागवानी और उद्यानिकी फसलों की खेती को अपनाकर अपनी आय बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ाएं।

उन्होंने बताया कि विभाग की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने और लाभ उठाने के लिए किसान अपना ऑनलाइन पंजीकरण करा सकते हैं। स्ट्रॉबेरी जैसी उच्च मूल्य वाली नकदी फसल की खेती से संभल के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि होने की प्रबल संभावना है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने से भिड़ंत, किसान की मौके पर मौत



अगौता/बुलंदशहर (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के गांव लुहारली में सोमवार सुबह करीब 9 बजे ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने की जोरदार भिड़ंत में बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर मिलते ही मृतक के परिवार में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल

भेज दिया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, गांव लुहारली निवासी कृष्ण पुत्र ऋषिपाल उम्र 40 वर्ष सोमवार सुबह बाइक से गांव के बाहर कहीं से आ रहे थे। इसी दौरान एक युवक ट्रैक्टर-ट्रॉली में रोड़ी-बदरपुर भरकर गांव की ओर आ रहा था। रास्ते में अचानक एक अज्ञात वाहन को बचाने के प्रयास में ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की आमने-सामने की भिड़ंत



हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कृष्ण ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि मृतक कृष्ण खेतीबाड़ी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। परिजनों ने मौके पर पहुंचकर अगौता पुलिस को घटना की सूचना दी। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि हादसे के दौरान

चालक ने ब्रेक लगाने का प्रयास किया, लेकिन वाहन समय पर नहीं रुक सका। समाचार लिखे जाने तक शव का पोस्टमार्टम होकर गांव आ गया था लोग अंतिम संस्कार की तैयारी कर रहे थे। थाना प्रभारी संजेश कुमार ने बताया कि मामले में अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

गांजा तस्करों पर शिकंजा हथगांव पुलिस ने वांछित तस्कर को दबोचा

गांजा और स्विफ्ट डिजायर कार बरामद, ओडिशा से लाता था माल

फतेहपुर (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हथगांव पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के मुकदमे में वांछित चल रहे एक शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। बताया कि 18 अक्टूबर को हथगांव पुलिस ने तस्करों को 19.030 किलो गांजे और महिंद्रा TUV के साथ पकड़ा था, जिस पर थाना हथगांव में मुकदमा संख्या 207/2026 धारा BNS और 8/20 NDPS एक्ट में मुकदमा दर्ज



कर जेल भेजा गया था। उसी मुकदमे की विवेचना में सोमवार को पुलिस ने वांछित अभियुक्त अंकित गुप्ता पुत्र सोमदेव गुप्ता, निवासी नई बस्ती, थाना राधानगर, फतेहपुर (28 वर्ष)

को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से, एक किलो 898 ग्राम अवैध गांजा, तस्करी में प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार UP78FE7768, एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 220 रुपये

नकद बरामद किए हैं। पूछताछ में अंकित ने बताया कि वह अपने गैंग के साथ ओडिशा से सस्ता गांजा लाकर फतेहपुर व आसपास के जिलों में ऊंचे दामों पर बेचता है। 16 अक्टूबर को लाया गया माल बांदा में बेचने जा रहा था। गैंग अलग-अलग गाड़ियों में चलता था और मोबाइल से लोकेशन शेयर करता था। पुलिस ने विधिक कार्रवाई कर अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया है। गिरफ्तार करने वाली टीम, उ0नि0 आलोक कुमार तिवारी, उ0नि0 बुद्धिमान सिंह, मु0आ0 राजेश सिंह, का0 रणवीर सिंह और का0 अंतिम यादव।



स्नातक एमएलसी चुनाव में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की कार्यक्रम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने डॉ. राठौर का जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर प्रमुख रूप से नितिन ओमर, विवेक उत्तम, रीपू ठाकुर, हर्ष गुप्ता, शिवसिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम युवा योजना से बदली संभल के सारिक की किस्मत

दो लाख के कर्ज से खड़ा किया 7 लाख का कारोबार

संभल (सब का सपना):- संभल के कस्बे सरायतरीन निवासी युवा सारिक ने उत्तर प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान(सीएम युवा) योजना का लाभ उठाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश की है। सीमित संसाधनों के कारण संघर्ष कर रहे सारिक ने योजना के तहत मिले महज दो लाख रुपये के ऋण से हैंडीक्राफ्ट की आधुनिक इकाई स्थापित की जिससे आज उनका सालाना टर्नओवर 6 से 7 लाख रुपये तक पहुंच गया है और वे हर महीने 50 हजार रुपये की कमाई कर रहे हैं। सरायतरीन के मोहल्ला बड़ा मुहम्मद निवासी सारिक पुश्तैनी रूप से हस्तशिल्प कला से जुड़े हैं। हुनर होने के बावजूद पूंजी के अभाव में वे अपने कारोबार का विस्तार नहीं कर पा रहे थे। कच्चा



माल खरीदने और उत्पादन बढ़ाने के लिए उन्हें आर्थिक मदद की आवश्यकता थी। इसी दौरान उन्हें जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केंद्र संभल के माध्यम से सीएम युवा योजना की जानकारी मिली। उन्होंने बिना देर किए योजना के तहत आवेदन किया जिसके बाद विभाग और बैंक के सहयोग से उन्हें

2 लाख रुपये का ऋण आसानी से मिल गया। इस वित्तीय सहायता से उन्होंने आवश्यक औजार और कच्चा माल जुटाकर अपने काम को संगठित किया। काम बढ़ने पर उन्होंने अपने साथ दो अन्य स्थानीय कारीगरों को भी जोड़कर उन्हें नियमित रोजगार उपलब्ध कराया। उत्पादों की बेहतरीन फिनिशिंग और

समय पर आपूर्ति के चलते उनकी इकाई का दायरा लगातार बढ़ रहा है। सारिक अपनी इस सफलता का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और जिला उद्योग केंद्र के अधिकारियों को देते हैं। उनका मानना है कि यह योजना जमीन पर बेरोजगार युवाओं को स्वावलंबी बनाने का सबसे बड़ा माध्यम है।

संभल के जिलाधिकारी अंकित खंडेलवाल का कहना है कि संभल का पारंपरिक हुनर वैश्विक मंचों पर नई पहचान गढ़ रहा है और सीएम युवा योजना युवाओं के हौसलों को पंख देने का एक धरातलीय जरिया साबित हो रही है। सारिक जैसे युवा यह साबित कर रहे हैं कि सही समय पर मिलने वाले वित्तीय संवल से प्रतिभा सीधे रोजगार और समृद्धि में बदल जाती है।

एसपी विकास चन्द्र त्रिपाठी ने दबधरा पुलिस चौकी का किया उद्घाटन



जुनावाई/सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सोमवार को पुलिस अधीक्षक सम्भल विकास चन्द्र त्रिपाठी ने थाना जुनावाई क्षेत्रान्तर्गत नवनिर्मित दबधरा पुलिस चौकी का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुलिस चौकी परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और उपस्थित लोगों को

पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि नवीन पुलिस चौकी की स्थापना से क्षेत्रीय नागरिकों को स्थानीय स्तर पर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। इससे पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा तथा क्षेत्र में कानून एवं शांति व्यवस्था



बनाए रखने में मदद मिलेगी। चौकी के माध्यम से पुलिस की सक्रियता और निगरानी बढ़ने के साथ ही अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने में भी सहायता मिलेगी। कार्यक्रम के दौरान शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने कन्याओं को प्रसाद वितरित किया तथा कन्या भोज

कराया। इस दौरान धार्मिक परंपराओं के प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हुए कन्याओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) मनोज कुमार रावत, क्षेत्राधिकारी गुनौर अंकित मिश्रा सहित अन्य पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपा वाष्पण्य के आवास पर कन्या पूजन एवं भोज का आयोजन

सम्भल (सब का सपना):- जनपद में शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर सोमवार को महाव्रतमी के शुभ अवसर पर हयात नगर मोहल्ला स्थित समाजसेवी दीपा वाष्पण्य के आवास पर कन्या पूजन एवं कन्या भोज का आयोजन श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। इस दौरान नौ कन्याओं को आमंत्रित कर विधि-विधान से पूजन किया गया और उन्हें प्रसाद ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम कन्याओं के चरण धोकर रोली-चंदन का तिलक लगाया गया तथा मौली बांधकर उनका पूजन



किया गया। इसके बाद कन्याओं को हलवा, पूरी, चना और खीर का प्रसाद खिलाया गया। पूजन के उपरांत

उन्हें चुनरी, श्रृंगार सामग्री और दक्षिणा भेंट कर आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर परिवार के

सदस्यों और मोहल्ले की महिलाओं ने भी बड़-चढ़कर सहभागिता की। समाजसेवी दीपा वाष्पण्य ने कहा कि नवरात्रि में कन्या पूजन का विशेष धार्मिक महत्व है। कन्याओं को मां दुर्गा के नौ स्वरूपों का प्रतीक मानकर उनकी पूजा की जाती है। कन्या पूजन केवल धार्मिक परंपरा ही नहीं, बल्कि नारी शक्ति के सम्मान का प्रतीक भी है। उन्होंने युवा पीढ़ी से अपनी सनातन संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। आयोजन के दौरान मोहल्ले में भक्तिमय माहौल बना रहा।

ओवरलोड वाहनों और बिना दस्तावेज चलने वालों पर पुलिस की नजर, चेकिंग अभियान तेज

सम्भल(सब का सपना):- जनपद में सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने, यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के उद्देश्य से सोमवार को पुलिस अधीक्षक विकास चन्द्र त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात पुलिस एवं प्रवर्तन टीमों ने सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान जनपद के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों और महत्वपूर्ण स्थानों पर वाहनों की जांच की गई। अभियान में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान ओवरलोड वाहनों, निर्धारित क्षमता से अधिक सवारियां बैठाकर चलने वाले वाहनों तथा बिना वैध परमिट और



आवश्यक दस्तावेजों के संचालित वाहनों की जांच की गई। इसके साथ ही ऑटो और ई-रिक्शा में लगे अवैध पायदान भी हटवाए गए। अभियान के तहत कुल 393 चालान किए गए, जबकि एक वाहन को साज किया गया। कार्रवाई के दौरान 7 लाख 83 हजार 500 रुपये का

जुमाना लगाया गया। वहीं, ऑटो और ई-रिक्शा से 14 अवैध पायदान हटवाए गए तथा इंटरसेप्टर के माध्यम से भी 153 चालान किए गए। सम्भल पुलिस ने आमजन और वाहन चालकों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि वाहन चलाते

समय हेलमेट और सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करें, निर्धारित गति सीमा का ध्यान रखें और क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। बिना वैध दस्तावेजों के वाहन चलाने से बचें तथा सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें। पुलिस के अनुसार, यातायात नियमों का उल्लंघन वाहन चालक के साथ-साथ अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर सकता है। सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम और यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखने के लिए ओवरलोडिंग, अवैध वाहनों तथा नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध चेकिंग और प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा।

पाण्डु नदी के किनारे दिखा मगरमच्छ, ग्रामीणों में दहशत

औग/फतेहपुर (सब का सपना):- जिले में सोमवार को पांडु नदी में मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त हो गयी और लोगों ने डायल 112 पर कॉल कर मगरमच्छ होने की जानकारी दी और मौके पर वन विभाग की टीम पहुंची लेकिन वह पकड़ नहीं पाई और वह नदी में चल गया। औग थाना क्षेत्र के अभयपुर ग्राम पंचायत के दरियापुर गाँव के पास पाण्डु नदी में आज सुबह ग्रामीणों को मगरमच्छ दिखाई दिया, जिससे ग्रामीणों में भय का माहौल है। ग्रामीणों की सूचना पर



पहुँचे वन विभाग के क्षेत्राधिकारी रविंद्र बिट्ट व वनरक्षक महेंद्र प्रताप सोज पर पहुंचे। मगर मगरमच्छ के

पानी में चले जाने के कारण रेस्क्यू नहीं किया जा सका। ग्रामीण बताते हैं जब तक रेस्क्यू नहीं किया जाता

हैं तब तक हम लोगों को नदी में जाने में व जानवरों को भी ले जाने में बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। ग्राम प्रधान रामदास ने कहा कि जब तक मगरमच्छ पकड़ नहीं जाता तब तक गाँव के सभी लोग सतर्कता के साथ नदी के किनारे जाएँ अपने जनवरो को नदी में ले जाएँ जिस किसी प्रकार का हादसा ना हो पाए। वन क्षेत्राधिकारी रविंद्र बिट्ट ने कहा कि रेस्क्यू चल रहा है बहुत जल्द मगरमच्छ से ग्रामीणों को राहत मिले जायेगी।

जनसभा के दौरान किसानों और ग्रामीणों में खासा उत्साह दिखाई दिया। सभा के समापन पर उपस्थित लोगों ने 21 अक्टूबर को बिजनौर के नुमाइश ग्राउंड में होने वाली महापंचायत में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का संकल्प लिया। आयोजकों ने विश्वास जताया कि नजीबाबाद क्षेत्र से बड़ी संख्या में किसान महापंचायत में भाग लेकर अपनी समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे।

संक्षिप्त डायरी

पुरानी पेंशन कर्मचारियों की सामाजिक

सुरक्षा व बुढ़ापे का सहारा: बिजेंद्र धारीवाल एजेंसी

गुरुग्राम। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर पिछले आठ वर्षों से संघर्षरत पेंशन बहाली संघर्ष समिति (पीबीएसएस) हरियाणा ने रविवार को गुरुग्राम में ओपीएस संकल्प मार्च निकालकर पुरानी पेंशन बहाली की मांग को बुलंद किया। कमला नेहरू पार्क में बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र धारीवाल के नेतृत्व में निकाले गए मार्च में शिक्षा, स्वास्थ्य, सफाई सहित अनेक विभागों के कर्मचारियों एवं कर्मचारी संगठनों ने पुरानी पेंशन बहाली की मांग का समर्थन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ओपीएस गुरुग्राम के जिला प्रधान डॉ. सुशील कटारिया ने की, तथा मंच संचालन जिला महासचिव बलराज ने किया। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष बिजेंद्र धारीवाल ने कहा कि हम अपने ही नहीं, आने वाली पीढ़िं के हकों की भी लड़ाई लड़ रहे हैं। पुरानी पेंशन कर्मचारियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और बुढ़ापे के सहारे का सवाल है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की स्पष्ट मांग केवल पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की बहाली है। कर्मचारी अपने भविष्य की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष धारीवाल ने घोषणा की कि सात फररी 2027 को कुरुक्षेत्र में पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। एक तरह से यह एनपीएस के खिलाफ ओपीएस का युद्ध होगा। उन्होंने कर्मचारियों से इस आंदोलन में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने और अपनी एकजुटता का परिचय देने की अपील की। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की संगठित शक्ति ही सरकार को उनकी मांग पर गंभीरता से विचार करने के लिए बाध्य कर सकती है। पुरानी पेंशन कर्मचारियों का अधिकार: डॉ. सुशील कटारिया कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पीबीएसएस गुरुग्राम के जिला प्रधान डॉ. सुशील कटारिया ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि कर्मचारियों के भविष्य से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। राज्य वरिष्ठ उपप्रधान अनूप लाठर ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के संघर्ष में योगदान देने वाले कर्मचारियों का प्रयास हमेशा याद रखा जाएगा। राज्य कोषाध्यक्ष ज्ञान सिंह गिल, जौंद जिला प्रधान जोगेंद्र लोहान और झज्जर जिला प्रधान डॉ. मनोज कुमार, हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ के राज्य प्रधान सत्यनारायण यादव, प्राथमिक टीचर एसोसिएशन एसोसिएशन के जिला प्रधान अमित भारद्वाज ने कर्मचारियों से इस संघर्ष में आगे रहने की अपील की। कर्मचारियों को पेंशन का अधिकार मिलना चाहिए: पूनम सहराय नर्सिंग ऑफिसर वेलफेयर एसोसिएशन, हरियाणा की प्रदेश मीडिया सचिव पूनम सहराय ने कहा कि पुरानी पेंशन केवल पेंशन नहीं, बल्कि कर्मचारियों के सुख-दुख का सहारा और बुढ़ापे की सुरक्षा है। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में अग्रिम पंक्ति में रहकर सेवाएं देने वाले कर्मचारियों सहित सभी सरकारी कर्मचारियों को उनके अधिकार मिलने चाहिए। ब्रह्मन राइट्स फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रोहित मदान, हरियाणा राजकीय अनुसूचित जाति अध्यापक संघ के जिला प्रधान सतपाल, हसला जिला प्रधान सुदीप राठी सहित अन्य वक्ताओं ने भी पुरानी पेंशन बहाली की मांग का समर्थन किया।

दशहरे को लेकर इको फ्रेंडली पुतले तैयार

एजेंसी
गुरुग्राम। मिलेनियम सिटी में इस बार दशहरे का पर्व भव्य और आकर्षक तरीके से मनाया जाएगा। 20 अक्टूबर को लेकर विभिन्न रामलीला कमेटियों और कलाकारों द्वारा रावण, कुंभकर्ण और मेघनाद के पुतलों को अंतिम रूप देने का काम तेजी से चल रहा है। प्रमुख मैदानों और रामलीला स्थलों पर आकर्षक और इको-फ्रेंडली (पर्यावरण अनुकूल) पुतले तैयार किए गए हैं। 55 फीट रावण का पुतला न्यू कॉलोनी में जलंगा न्यू कॉलोनी गुरुग्राम के सबसे पुराने और बड़े आयोजनों में से एक है। गीता भवन रामलीला कमेटी के संयोजक मुनीष खल्लर ने कहा कि रावण का पुतला 55 फीट, कुंभकरण का 50 और मेघनाद का 45 फीट ऊंचे पुतलों के साथ भव्य आतिशबाजी होगी। कई प्रमुख लोगों को आमंत्रित किया गया। वहीं श्रीदुर्गा रामलीला कमेटी पारंपरिक रामलीला और पर्यावरण-अनुकूल पुतलों (ग्रीन पटखों के साथ) के लिए जाना जाता है। कमेटी की ओर से की ओर से जैकबपुरा में दशहरे पर 35 फीट ऊंचा पुतला रावण का होगा। इसी तरह बस स्टैंड के गौशाला मैदान, गुरुग्राम गांव, वजीराबाद गांव, सदर बाजार के रामलीला मैदान और भीम नगर रामलीला मैदान में 35 से 40 फीट ऊंचा रावण जलाया जाएगा। 60 फीट ऊंचे पुतले तैयारी हो रहे दशहारे को लेकर शहर में जगह-जगह रावण पुतले तैयार हो रहे हैं। गुरुग्राम के सेक्टर-14, पुरानी दिल्ली रोड समेत अन्य सड़कों किनारे स्थानीय कारीगर रावण के पुतलों को बांस, कागज और रंग-बिरंगे वस्त्रों से सजाने में जुटे हुए हैं। पुतला बनाने वाले नारायण ने कहा कि 60 फीट ऊंची रावण पुतला तैयार किया गया है। कई दशहरा कमेटियों की ओर से 50 फीट ऊंचे पुतले के ऑर्डर मिले हैं। रावण, कुंभकर्ण, मेघनाद पुतले को अंतिम रूप दिया गया है। पुतलों की कीमत उनके आकार और ग्राहक की जरूरत पर निर्भर करती है। छोटे पुतलों की शुरूआत करीब 1000 से 25 हजार रुपये तक होती है। फुटपाथ पर रहकर तैयार करते हैं पुतले उत्तर प्रदेश से आए कलाकार नारायण पिछले कई वर्षों से दशहरे के मौके पर गुरुग्राम में पुतले बनाने का काम कर रहे हैं। वह अपने परिवार के साथ शहर पहुंचते हैं। फुटपाथ पर ही अस्थायी ठिकाना बनाकर रहते हैं। परिवार के सदस्य पुतले बनाने के काम में हाथ बंटते हैं। ताकि त्योहार से पहले ज्यादा से ज्यादा पुतले तैयार किए जा सकें। नारायण के मुताबिक वह बांस और उसका जैसी सामग्री से रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पुतले तैयार करते हैं। ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार छोटे, मध्यम और बड़े आकार के पुतले खरीद सकते हैं।

मिलेनियम सिटी की सात मुख्य सड़कों को दुरुस्त करने की तैयारी

एजेंसी
गुरुग्राम। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) ने मिलेनियम सिटी की सात मुख्य सड़कों को दुरुस्त करने की तैयारी की है। इसके तहत टेंडर जारी कर दिए हैं। कुछ सड़कों का निर्माण अगले महीने में शुरू हो जाएगा तो कुछ का निर्माण अगले साल में शुरू होगा। इनमें दो सड़क द्वाराका एक्सप्रेसवे से जुड़ती है। जीएमडीए ने सेक्टर-32 और सेक्टर-39 को विभाजित कर रही मुख्य सड़क की विशेष मरम्मत की योजना बनाई है। इसके ऊपर करीब 28 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इस सड़क के निर्माण के टेंडर को 18 अक्टूबर को खोला जाएगा। टेकेदार को सड़क की विशेष मरम्मत के लिए आठ महीने का समय दिया जाएगा। अगले महीने के अंत तक विशेष मरम्मत का कार्य शुरू होने की उम्मीद है। द्वाराका एक्सप्रेसवे से जुड़ी सड़कों का विकास सेक्टर-99 और सेक्टर-102 को विभाजित कर रही मुख्य सड़क का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इसके ऊपर करीब 14 करोड़ रुपये की लागत आएगी। करीब दो किमी लंबी इस मुख्य सड़क के दोनों तरफ सर्विस रोड, फुटपाथ और बरसाती नाले का निर्माण किया जाएगा। यह मुख्य सड़क द्वाराका एक्सप्रेसवे से जुड़ती है। इसके बनने के बाद सेक्टर-99 और सेक्टर-102 में विकसित सोसाइटियों के निवासियों के लिए एक्सप्रेसवे तक पहुंचना आसान हो जाएगा। झज्जर से गुरुग्राम की तरफ आ रहे वाहन भी इस मुख्य सड़क से होकर द्वाराका एक्सप्रेसवे पहुंचते हैं। सेक्टर-103-106 में सर्विस रोड इसके अलावा सेक्टर-103-106 की मुख्य सड़क पर दोनों तरफ सर्विस रोड के निर्माण की योजना है। इसके ऊपर करीब 10 करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह मुख्य सड़क भी द्वाराका एक्सप्रेसवे से जुड़ी हुई है। इसके दोनों तरफ रिहायशी सोसाइंटियां विकसित हो चुकी हैं। सर्विस रोड बनने के बाद इन सोसाइंटियों से वाहनों का आवागमन सर्विस रोड पर होगा। अभी तक यह वाहन मुख्य सड़क पर आते हैं, जिससे सड़क हादसा होने का खतरा बना रहता है। मिलेनियम सिटी से सुभाष चौक तक मरम्मत इसके अलावा मिलेनियम सिटी से लेकर सुभाष चौक तक का रहा रही मुख्य सड़क की सर्विस रोड की विशेष मरम्मत की जाएगी। मौजूदा समय में सर्विस रोड बदहाल अवस्था में है। इसकी वजह से वाहन चालकों को असुविधाओं का सामना करना पड़ता है। इसकी मरम्मत पर करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी। यह मुख्य सड़क आठ सेक्टरों को विभाजित करती है।

शहर में सजे भव्य दुर्गा पूजा पंडाल, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और नारी शक्ति की धूम

एजेंसी
नोएडा। शहर में दुर्गा पूजा का पावन पर्व अत्यंत उत्साह, श्रद्धा और उत्सास के साथ मनाया जा रहा है। शहर के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समितियों द्वारा अत्यंत मनमोहक और आकर्षक पंडाल सजाए गए हैं। इन पंडालों में कहीं बंगाल की पारंपरिक संस्कृति और शिल्प कला की अनूठी झलक देखने को मिल रही है, तो कहीं नारी शक्ति के सशक्त संदेश को जीवंत किया गया है। पंडालों में मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाओं की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की जा रही है। इसके साथ ही इन धार्मिक आयोजनों में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पारंपरिक गीत-संगीत और सामूहिक भोजन (भोग) का भी भव्य आयोजन हो रहा है, जिसमें हजारों की संख्या में श्रद्धालु बड़-चढ़कर हिस्सा ले रहे हैं। सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के कड़े इंतजाम पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान हाल ही में हुए एक दुर्भाग्यपूर्ण हादसे से सबक लेते हुए शहर की सभी पूजा समितियों ने



सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के मामलों में किसी भी प्रकार की हिलाई नहीं बरती है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आयोजकों ने व्यापक और चाक-चौबंद व्यवस्थाएं की हैं। शहर की इन प्रमुख समितियों समेत अन्य सभी पूजा स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। किसी भी अप्रिय घटना से निपटने के लिए हर पंडाल में सीसीटीवी कैमरे, आग बुझाने के आधुनिक उपकरण (अग्निशामक यंत्र) और प्राथमिक उपचार (फर्स्ट-एड) की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। आपातकालीन

कोली समाज के उत्थान के लिए शिक्षा और एकजुटता जरूरी

एजेंसी
नोएडा। नूंह कोली समाज के सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक उत्थान के लिए समाज के लोगों को एकजुट होकर शिक्षा को प्राथमिकता देनी होगी और सामाजिक बुराइयों से दूर रहना होगा। शिक्षित और संगठित समाज ही प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ सकता है। यह बात वरिष्ठ समाजसेवी एवं पूर्व जिला पाषंड जगन सिंह कोली ने कही। वे रविवार को नूंह के खेड़ुला स्थित सद्भावना मंडप में आयोजित कोली समाज जागरूकता एकता मंच के द्वितीय वार्षिक सम्मेलन एवं समाज गौरव सम्मान समारोह में बोल रहे थे। कार्यक्रम में जगन सिंह कोली मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, जबकि अध्यक्षता पूर्व डिप्टी कमांडेंट एवं जिला अध्यक्ष सुवे सिंह ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ ब्रह्मचारी सुरेंद्र मंत्री, उपाध्यक्ष नरेश कुमार और खेमचंद चौहान ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर तथा महामा बुद्ध की प्रतिमाओं के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। समाज में एकता मजबूत होगी, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए तस्करी के नए रास्ते खुलेंगे। उन्होंने कहा कि देश में बढ़ी आबादी होने के बावजूद समाज के अनेक वर्ग आज भी पिछड़ेपन का सामना कर रहे हैं। समाज में विखराव के कारण सामूहिक हितों को नुकसान पहुंचता है। इसलिए एकाग्र और अनुभव के कारण आपसी मतभेद भुलाकर एकजुट हों और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनें। उन्होंने बाबा साहेब के विचारों को जीवन में अपनाने तथा उनके दिखाए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। 106 वर्षीय भूरी देवी सहित बुजुर्गों और प्रतिभाओं का सम्मान सम्मेलन के दौरान समाज के प्रति योगदान और अनुभव के लिए 106 वर्षीय बुजुर्ग भूरी देवी सहित 80 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को पगड़ी बांधकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया। इसके अलावा बीएसएमए पाठ्यक्रम में चयन होने पर सपना पुत्री रघुबीर को भी सम्मानित किया गया। आयोजकों ने कहा कि बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं, जबकि शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने वाली प्रतिभाएं नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा हैं।

लॉरेंस गैंग के कुरख्वात बदमाश धोलिया को मिली जमानत

एजेंसी
गुरुग्राम। लॉरेंस गैंग के नाम पर व्यापारियों से रंगदारी वसूलने और अवैध हथियार रखने के मामले में गिरफ्तार चरखी दादरी के कुख्यात बदमाश अंकित उर्फ धोलिया (30) को गुरुग्राम कोर्ट से जमानत मिल गई है। वह करीब डेढ़ साल से जेल में बंद था। एंड़ेशनल सेशन जज सुदीप गौयल की कोर्ट ने एक लाख रुपये के निजी मुचलके पर रिहा करने का आदेश दिया है। रविवार को इस फैसले की जानकारी सामने आई। कोर्ट ने कहा कि इस केस के 25 से ज्यादा सह-आरोपी पहले ही हाईकोर्ट और लोकल कोर्ट से जमानत पा चुके हैं, इसलिए समानता के आधार पर धोलिया को भी जमानत का लाभ दिया जाता है। अगर वह किसी अन्य केस में वांछित नहीं है तो जल्द जेल से बाहर आ जाएगा। अंकित उर्फ धोलिया चरखी दादरी के बाढ़ड़ा के गांव डांडमा का रहने वाला है। पुलिस के मुताबिक, वह विदेश में बंटे लॉरेंस के भतीजे अक्षय के साथे



संपर्क में था। उसे एसएसआई संजय कुमार की शिकायत पर 10 मई 2024 को थाना फर्रुखनगर में दर्ज एफआईआर नंबर-114 में गिरफ्तार किया गया था। बाद में 31 मार्च 2025 को दोबारा अरेस्ट किया गया। इस केस में आरोप है कि रोहित गोदरा, नवीन बाबंसर, लिपन नेहा और पवन नेहरा जैसे गैंगस्टर जेल और विदेश से वॉट्सएप-ईस्टग्राम के जरिए नेटवर्क चला रहे हैं और गुरुग्राम के व्यापारियों को जान से मारने की धमकी देकर करोड़ों की रंगदारी वसूल रहे हैं। पुलिस ने मुख्य

प्रदूषण नियंत्रण को लेकर नगर निगम हुआ सख्त

एजेंसी
गुरुग्राम। वायु प्रदूषण पर नियंत्रण और सड़कों से उड़ने वाली धूल को कम करने के उद्देश्य से नगर निगम गुरुग्राम ने सड़क विकास, यांत्रिक सफाई, पानी के छिड़काव, यांत्रिक एवं विध्वंस (सीएंडडी) कचरा प्रबंधन तथा खुले में कचरा जलाने की घटनाओं पर निगरानी को लेकर विस्तृत कार्य योजना तैयार की है। निगमायुक्त प्रदीप दहिया की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएन्यूएम) के निर्धारित लक्ष्यों के अनुरूप चल रहे कार्यों, विभिन्न पोर्टलों पर लॉबित शिकायतों और प्रवर्तन कार्रवाई की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सीएन्यूएम के तहत गुरुग्राम में



कुल 396 किलोमीटर सड़कों के विकास का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 17 अक्टूबर तक इनमें से 198.74 किलोमीटर सड़कों पर कार्य पूरा किया जा चुका है, दिसंबर माह के अंत तक शेष कार्य भी पूरा कर लिया जायेगा। निगमायुक्त ने विभिन्न माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समीक्षा में प्रमुख सड़कों पर जमा धूल को हटाने के लिए अभियान चलााने की कार्ययोजना पर जोर दिया गया। इसके तहत प्रत्येक जोन को उन सड़कों की पहचान करनी है, जहां धूल हटाने का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाना चाहिए। संबंधित टीमों को प्रतिदिन किए गए कार्य का विवरण और कार्य से पहले तथा बाद की तस्वीरें प्रस्तुत करने

लगभग 20 से 25 समर्पित स्वयंसेवक (वॉलंटियर्स) भी मुस्तैद रहते हैं। ये स्वयंसेवक भीड़ को अनुशासित कतारों में व्यवस्थित करने और बुजुर्गों व महिलाओं को सही रास्ता दिखाने में लगातार सहयोग कर रहे हैं। पंडाल परिसरों की हर गतिविधि पर बारीक नजर रखने के लिए एक अलग से कंट्रोल रूम भी बनाया गया है, जहां से सीसीटीवी फुटेज की निरंतर मॉनिटरिंग की जा रही है। नारी शक्ति की थीम और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आकर्षण इस वर्ष दुर्गा पूजा के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अनाखी थीम ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया है। सर्वापि संघ समिति (सेक्टर-50): इस समिति द्वारा अपना 22वां शारदोत्सव बेहद खास अंदाज में 'नारी शक्ति' की थीम पर मनाया जा रहा है। समिति की उत्साही महिला सदस्यों ने मिलकर 'मातृ मंदिर' की अनूठी थीम पर पंडाल को सजाया है। इसके माध्यम से समाज में महिलाओं की शक्ति, ममता, त्याग और उनकी

महत्वपूर्ण भूमिका को बहुत ही सुंदर ढंग से दर्शाया गया है। सांस्कृतिक प्रस्तुतियां: पंडाल में दुर्गा पूजा के उपलक्ष्य में कई मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इनमें आगमनी गीत, समूह नृत्य, दिवंगत और महान गायिका आशा भोसले को भावपूर्ण श्रद्धांजलि, फ्यूजन संगीत और प्रसिद्ध छाऊ नृत्य शामिल रहे। इसके अलावा, लोकप्रिय गायन रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' के प्रतिभाशाली प्रतिभागियों की प्रस्तुतियों ने भी पंडाल में चार चांद लगा दिए और यह दर्शकों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही। सर्वोत्तिन दुर्गा पूजा समिति (सेक्टर-62): इस समिति द्वारा कार्यक्रमों की शुरूआत एक रचनात्मक चित्रकला प्रतियोगिता के साथ की गई। इसके बाद श्रद्धालुओं ने पूरी परंपरा के साथ शंख बजाया और उत्साह के साथ 'उलू ध्वनि' प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के समापन के बाद परिसर में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को खूबो महामाप्रसाद और भोजन का वितरण

किया गया। शाम को भव्य आरती के बाद पारंपरिक 'धुनुची डांस' का आयोजन किया गया, जिसमें युवाओं और महिलाओं ने बड़-चढ़कर भाग लिया। शहर के अन्य सभी पंडालों में भी बंगाली परंपरा के अनुसार पारंपरिक गीत-संगीत, सामूहिक नृत्य और शास्त्रीय प्रस्तुतियां देखने को मिल रही हैं। इसके अलावा, सभी पंडालों में प्रतिदिन आने वाले भक्तों के लिए सुबह से लेकर रात तक भोजन और प्रसाद की उत्तम व्यवस्था की जा रही है। हादसे पर जातया दुःख, सुरक्षा के महत्व पर दिया जोर पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा के दौरान हुए हादसे की खबर मिलते ही शहर के श्रद्धालुओं और पूजा समितियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया है। लोगों का मानना है कि इतने बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन, आपातकालीन निकास मार्गों का खुला होना और चिकित्सा सुविधाओं का हर समय दुरुस्त रहना बेहद आवश्यक है,

नगर निगम में अधिकारियों की जिम्मेदारियों में फेरबदल



से संबंधित कार्य सौंपे गए हैं। इसके अतिरिक्त उन्हें उपायुक्त कार्यालय के नए कार्यालय भवन के निर्माण के संबंधित कार्य सौंपे गए हैं। उन्हें एसएमसी-एमसी से संबंधित कार्य भी देखने होंगे। कार्यकारी अभियंता कुलदीप यादव को जोन -6 संबंधित बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर पुराने कचरे से संबंधित कार्य, वजीराबाद में स्टैंडियम के निर्माण तथा ईई-हॉर्टिकल्चर (क्लस्टर-2) से संबंधित जिम्मेदारियां दी गई हैं। आदेश के तहत

सहायक अभियंता सुमित कुमार को जोन -4 के वार्ड-4, 35 और 36 सहित डोर-टू-डोर कार्यों, बंधवाड़ी लैंडफिल साइट पर पुराने कचरे से संबंधित कार्यों तथा सेक्टर-14 में नगर निगम कार्यालय भवन के निर्माण की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही विज्ञापन से संबंधित प्रवर्तन कार्यों, न्यायालयीन मामलों और शिकायतों का दायित्व भी उन्हें दिया गया है। इनके अलावा भी कई अधिकारियों की जिम्मेदारियां बदली गई हैं।

पत्नी की हत्या के मामले में पति को हथियार देने वाला गिरफ्तार

एजेंसी
गुरुग्राम। मानेसर में पत्नी की गोली मारकर हत्या करने के मामले में क्राइम ब्रांच मानेसर ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने ही हत्या में इस्तेमाल हथियार उपलब्ध कराया था। पकड़े गए आरोपी की पहचान दीपक (19) निवासी गांव अईर्गा, जिला मथुरा, यूपी के रूप में हुई है। उसे 17 अक्टूबर को मानेसर से गिरफ्तार किया गया। बता दें कि 22 मई 2026 को एक महिला ने थाना मानेसर में शिकायत दी थी कि उसकी 22 वर्षीय बेटी की शादी फरवरी 2026 में मानेसर निवासी अंकित से हुई थी। 21 मई को बेटी के लापता होने की सूचना मिली। ससुराल पक्ष से कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया। जांच के दौरान 22 मई को ही लापता महिला का शव मानेसर के एक कर्मरे से बरामद हुआ। उसे गोली मारकर हत्या की गई थी। इसके बाद केस में हत्या की धाराएं जोड़ी गईं। क्राइम ब्रांच ने इस मामले में पहले ही मुख्य आरोपी पति अंकित (25) और उसकी प्रेमिका रजनी देवी (38) निवासी औरंगाबाद जिला झज्जर को गिरफ्तार कर



लिया था। पूछताछ में सामने आया था कि अंकित और रजनी का पिछले 3 साल से अफेयर चल रहा था। रजनी मानेसर में किराए पर रहती थीं। 21 मई को अंकित सुनियोजित तरीके से अपनी पत्नी को रजनी के कमरे पर ले गया और वहां गोली मारकर हत्या कर दी। हथियार वह 2 महीने पहले ही यूपी से लाया था। वारादात के बाद दोनों हरिद्वार होते हुए नेपाल भाग गए थे और 30 जून को भारत लौटे थे। अब पुलिस ने हथियार सप्लाई करने वाले दीपक को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

आर्य वीर नेत्र चिकित्सालय में ऑपरेशन थिएटर व सभागार का उद्घाटन

एजेंसी
गुरुग्राम। गुरुग्राम की महापौर राजरानी मल्होत्रा ने आर्य वीर नेत्र चिकित्सालय के प्रथम तल पर नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर एवं सभागार का विधिवत उद्घाटन कर शुभारंभ किया। समारोह में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान सुरेंद्र कुमार आर्य, ओम स्वीट्स प्राइवेट लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर ओमप्रकाश कथूरिया, मंगला सोया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर योगेश मंगला तथा पंजाबी बिरादरी महासंघटन, गुरुग्राम के चेयरमैन बोध राज सिकरी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे। मेयर राजरानी मल्होत्रा ने कहा कि आर्य वीर नेत्र चिकित्सालय में नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर का शुभारंभ नेत्र चिकित्सा से जुड़ी सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की उपलब्धता से लोगों को लाभ पहुंचाने तथा जरूरतमंद मरीजों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के प्रयासों को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार समाज के उन वर्गों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिन्हें बेहतर चिकित्सा सुविधाओं की आवश्यकता होती है। ऐसे संस्थानों की भूमिका केवल उपचार तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वे जनसेवा और सामाजिक कल्याण के उद्देश्य को भी आगे बढ़ाते हैं। चिकित्सालय के प्रथम तल पर नवनिर्मित सभागार का उद्घाटन भी समारोह का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा। सभागार किसी भी संस्थान की विभिन्न गतिविधियों के संचालन के लिए उपयोगी स्थान होता है। इस अवसर पर आर्य वीर नेत्र चिकित्सालय की पहल को समाज के जरूरतमंद लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में सराहनीय प्रयास के रूप में देखा गया।

‘द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट’ की कामयाबी से खुश हैं तमन्ना



तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेस से
 से है, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा
 जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए
 काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में
 तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना
 साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती
 अग्निशेरी बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में
 यहीं अपनी नई फिल्म 'द वन फोर्स ऑफ़
 द फारेस्ट' से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर
 अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की
 भूमिका को भी खूब सराहना मिली है।

बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर समन्ता बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, 'इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉन की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कलेक्टर हमने पहली बार इन्ते बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि इसारी संस्कृति और परंपरा ही वो पल

हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं। फोकलोर को सिर्फ रेगुलर तरीके से जोड़ने के बजाय उस बड़े स्टायल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए ऐसा किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंजेंज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया।

इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ खा रहे हैं। बिहार जाये ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पैरों पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन लग रहा कि इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रहे हैं।

ऐसे कांड दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं

हाल ही में तमन्ना एक पौराणिक फिल्म का हिस्सा रही हैं। हमने तमन्ना से जानना चाहा कि एक तरफ हमारे यहां नारियों को पूजा जाता है, मगर दूसरी तरफ आए दिन जमुई कांड और आस्था कुंज गैंगरेप

जैसे दरिंदगी से भरी घटनाएं जारी हैं। इस पर वे कहती हैं, 'मेरा मानना है कि समाज में अच्छे भी हैं और बुराई भी, तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम बार-बार उस अच्छाई को जानकार करते रहें, क्योंकि बुराई को हम पूरी तरह से रोक तो नहीं पाएंगे। मगर जब हम बार-बार अच्छाई को उभारेंगे, तो उस स्थिति से निपट पाएंगे।' ये जितनी भी घटनाएं होती हैं, बहुत ही दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण हैं, मगर एक कलाकार का काम है कि वह अपनी कला से लोगों को महसूस करा सके कि अच्छाई बाकी है, तो उस बार-बार बुलंद करना होगा। मेरे हाथ में ये हैं और मैं ये कोशिश लगातार करती रहती हूं।'

माता-पिता हमेशा मेरा सपोर्ट सिस्टम रहे

तकरीबन हर लड़की कभी न कभी किसी छेड़खानी का शिकार हुई होती है, ऐसे में तमन्ना खुद को खुशगुनगुनाना मानी है कि उनके साथ नौ सौ घटना कभी हुई। वे कहती हैं, 'मैं बहुत लकी हूँ, मेरे माता-पिता मेरी हमेशा प्रोटेक्टिव फील्ड। मैंने बहुत छेटी उस में काम करना शुरू कर दिया था। अगर उनका सपोर्ट न होता, तो मुझे जिंदगी के बेस्ट अनुभव नहीं मिलते।' मगर मेरा बचपन बहुत शानदार रहा। मेरी किशोरावस्था में भी वे हमेशा मेरे साथ थे। आज भी मेरे पास उनका जैसा एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम रहे

मैं इस मामले में भाग्यशाली हूँ कि पेरेंट्स के साथ ने मुझे हमेशा सुरक्षित रखा। मरने साथ ऐसा कोई बुरा अनुभव नहीं हुआ, मगर मैंने ऐसी कई कहानियाँ सुनी हैं और मुझे सहायुष्मति है। जिनके साथ ऐसा होता है, वो बहुत दर्दनाक होता है।'

पैप्स का जॉब बहुत मुश्किल होता है

पेपराजी की पसंदीदा अभिनेत्रियों में से हैं तमन्ना। उन्हें दूसरे कई कलाकारों की तरह पैसे से चिढ़ते नहीं देखा है। वे कहती हैं, 'हमारे पैसे बहुत स्वीट हैं। वो भी हमारे और आपके जैसे लोग हैं। मैं लोगों में अंतर नहीं देखती हूँ। वो भी इंसान हैं और बहुत मेहनत करते हैं।' कभी बार घंटों इंतजार करते हैं कि स्टार्स आए और वे पिप्पस विलक करते। उनका काम बहुत मुश्किल है। इंसान बहुत सरल होते हैं, उन्हें सिर्फ प्यार और सम्मान की चाह होती है। अगर आप उन्हें वो प्रेम और सम्मान दें, तो वो भी खुश रहेगें, आप भी।' कर्पेनन्मनिए के बारे में वे कहती हैं, 'बहुत जरूरी है ये की आपके पास एक अच्छा साथी हो। अच्छा साथी आपको मजबूत और खुशरामता फील कराता है।'

मां बनने के बाद काम पर लौटीं दिव्यांका त्रिपाठी

अभिनेत्री दिव्याका त्रिपाठी इन दिनों पति विवेक
दहिया के साथ कपल रियलिटी शो 'पति पत्नी और
पंगा' में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में
जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद काम करने की
चुनौतियाँ पर बात की। अभिनेत्री ने बताया कि बच्चों
को कुछ समय के लिए अकेले छोड़ना बहुत मुश्किल
हो गया है, क्योंकि वे बड़े हो रहे हैं और अपने
आपसास की चीजों को एकसाथ कर रहे हैं।
अभिनेत्री ने यह भी बताया कि जैसे-जैसे बच्चे बड़े
हो रहे हैं, उनकी देखभाल का अनुभव भी बदल रहा
है। दिव्याका त्रिपाठी ने कहा, 'सब स्टेशन पर बच्चों
को संभालना आसान है, क्योंकि अभी सब वह सोते
और खाते हैं लेकिन मुझे पता है कि अब उन-
घुटनों के बल चलने का समय आगा। उन्होंने धीरे-
धीरे खुद को आगे बढ़ाना शुरू कर दिया है। मेरे
लिए तो उन्हें दो से चार मिनट के लिए भी अकेला
छोड़ना मुश्किल है। इसलिए मुझे उन्हें सेंट पर
भी साथ ले जाना पड़ता है। हालांकि, यह
आसान नहीं है।'

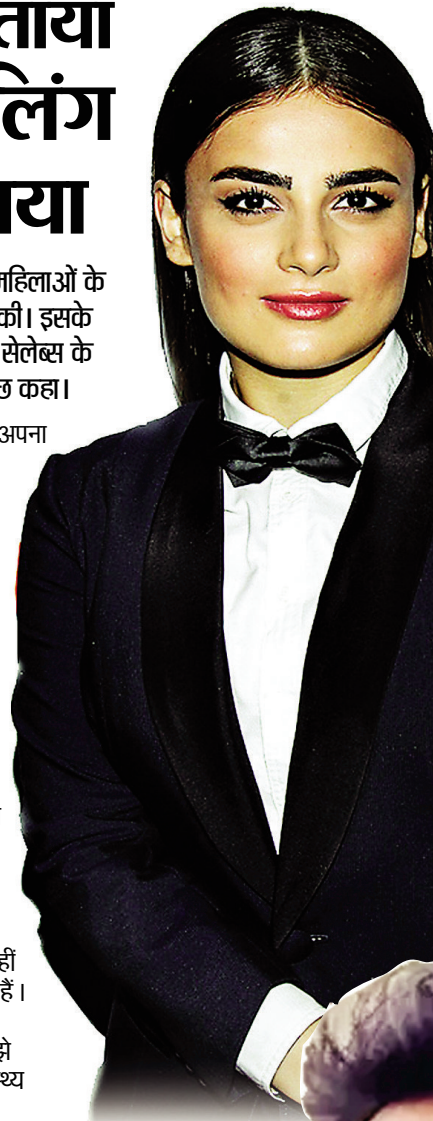
अभिनेत्री ने बताया कि लोगों को इस बात पर भी हैरानी होती है कि वो इतनी जल्दी काम पर कैसे लौट

आई। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा कहती हूँ कि महिलाएँ ऐसे ही 'बाइस बैक' नहीं कर लेतीं। देखिए, ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। भले ही हम एक्ट्रेस के मामले के सामने हँसती-पुस्कती-लौटती हैं लेकिन शरीर के अंदर दर्द, थकान और दिमाग में कन्फ्यूज्ड जैसा रहता है।' अभिनेत्री का कहना है कि उन्होंने काम पर लौटने को जरूरत नहीं थी लेकिन वे फिर भी लौटीं। क्योंकि एक माँ के लिए घर पर बैठना भी आसान नहीं और काम करना भी आसान नहीं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि माँ बनने के बाद काम पर लौटने को लेकर महिलाओं की तुलना एक-दूसरे से नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर किसी की परिस्थितियाँ अलग होती हैं, इसलिए महिलाओं को किसी भी एक अनुभव के दबाव में आने के बजाय अपनी जगह पर भरोसा करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मैं ये इसलिए कर रही हूँ ताकि किसी भी एक महिला की तुलना दूसरी से न करे और ये न कहे कि 'अरे दिव्याका ने न कर लिया।' नहीं, ये सबके लिए सृष्टिकर है। हर कोई अपनी हिसाब से काम पर लौटता है। तो आप भी अपनी गति से चलें और माँ पर भी अपनी गति से चल रही हूँ।'

राधिका ने बताया खुद को ट्रोलिंग से कैसे बचाया

बॉलीवुड अभिनेत्री राधिका मदान ने महिलाओं के लुक को लेकर दबाव डोलने पर बात की। इसके साथ ही एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर सेलेब्स के लुक को ट्रोल करने पर भी काफी कुछ कहा।

राधिका मदान ने बॉडी शैमिंग को लेकर अप
निजी संघर्ष भी साझा किया। उन्होंने
बातचीत में कहा, 'मैंने फिल्म 'पटाखा'
के लिए 15 किलो वजन बढ़ाया था और
'शिदत' व 'अंग्रेजी मीडियम' के लिए
मैं दह वजन घटा रही थी। इस दौरान
मुझे कहा गया कि मैं बहुत मोटी हो गई
हूँ और हीरोइन कैसे बन सकती हूँ?
इसके बाद लगातार शूटिंग करते हुए
मेरा वजन घटता रहा और मैं बिल्कुल
हड्डियों का ढांचा बन गई।' आगे अपने
इंटरव्यू में राधिका ने कहा, 'मैंने खुद से
पूछा कि मैं लोगों को खुश करने की
कोशिश क्यों कर रही हूँ, जबकि वे कभी
खुश नहीं होंगे? इसलिए, मैंने एक खास
शारीरिक बनावट पाने की चाहत के
बजाय स्वास्थ्य रहने पर ध्यान देना शुरू
किया। एक बार जब आप ऐसा कर लेते
हैं, तो दूसरों की राय आपको प्रभावित नहीं
करती, क्योंकि आप समझदारी हो जाते हैं।
आपको नहीं पता कि उनकी आलोचना
किस असुरक्षा से उभरी है।' लेकिन मुझे
इस बात का सुकून है कि अब मैं स्वास्थ्य
को प्राथमिकता दे रही हूँ।'



सनी की फिल्म 'इक्का 2' की तैयारी हुई शुरू

सनी देओल की कोर्टरूम ड्रामा फिल्म 'इक्का' के दूसरे पार्ट को लेकर नई जानकारी सामने आई है। फिल्म की कहानी लिखने का काम शुरु हो चुका है और इसके अगले साल आगे बढ़ने की उम्मीद है। पहले पार्ट में वकील अर्जुन मेहरा के किस्वरदार में नजर आए सनी एक बार फिर मुख्य भूमिका निभाएंगे। अभी इसकी शूटिंग शुरु होने की तारीख और रिलीज को लेकर कोई घोषणा नहीं हुई है। 'इक्का' के पहले पार्ट में अक्षय खन्ना ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फिल्म में उनके और सनी के किस्वरदारों के बीच टकराव कहानी का महत्वपूर्ण हिस्सा था। दोनों कलाकारों को एक साथ देखने का मौका मिलने से भी फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्पुंकता थी। अब दूसरे पार्ट में अक्षय के शामिल नहीं होने की खबर सामने आई है



नकुल धुल के एविवशन पर एल्विश ने दी प्रतिक्रिया

सिलिव्ही शो 'बिग बॉस-20' के घर में वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर अगर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर नकुल धुल (मिडू डॉन) और गुल्लू (कुशल तंवर) के बीच तीखी हाथापाई हो गई। इसी पूरे ड्रामे पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया। इस शारीरिक हिंसा के बाद शो के नियमों के मुताबिक मेकर्स ने नकुल धुल को घर से बाहर निकाल दिया है। इसी पूरे मामले पर अब यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी-2 के विनर एल्विश यादव ने अपना रिप्लाइज दिया। उन्होंने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने नकुल को इंडायवेरटेबल तंज कहा। एल्विश यादव ने लिखा, "बहुत दिनों बाद आज शिग बॉस देवना। नियमा बढाय गए हैं, अब शायद जो भी घर में बड़े या समझदार की तरह रहता है उसे ही निकाल देते हैं।" दुख हुआ देखकर, "एल्विश यादव के इस कमेंट ने सोशल मीडिया पर टकराव और भी ज्यादा बढ़ा दिया है, जिससे दोनों के फैस के बीच सोशल मीडिया वॉर छिड़ गया है। जहां एक तरफ एल्विश यादव गुल्लू के साथ खड़े हैं, वहीं दूसरी ओर रजत दलाँल और लक्ष्य चौधरी जैसे बड़े नाम इस लड़ाई में नकुल दुख के गेमप्ले में नकुल के इम्पैक्ट का समर्थन करते नजर आ रहे हैं।

दरअसल, काजी तौकरी ने स्काउट ओपी के बारे में कुछ कहा था, जिसे लेकर नकुल धुल ने स्काउट के सामने यह बात उठाई। जब काजी और स्काउट के बीच बहस हो रही थी, तब गुल्लू (कुशल तंवर) बीच-बचाव करने और मामला शांत कराने पहुंचे। नकुल धुल इस बात पर भड़क गए कि गुल्लू उन्हें समझाने वाले कौन होते हैं। बहस इसी तरह बढ़ी कि नकुल और गुल्लू के बीच धक्का-मुक्की और हाथापाई हो गई। घर के सदस्यों के बीच-बचाव के बावजूद, फिजिकल वायरलेस (हिंसा) के नियमों के चलते बिग बॉस ने नकुल धुल को तुरंत घर से बाहर (बेघर) कर दिया।



रणवीर कपूर की 'रामायण' में जटायु के रूप में दिखेंगे अनुपम खेर

रणवीर कपूर की फिल्म 'रामायण' को लेकर दर्शकों की एक्ससाइटमेंट लगातार बढ़ रही है। अब फिल्म के मेकर्स ने जटायु के किरदार का पहला पोस्टर जारी किया है। फिल्म में जटायु के किरदार को एक्टर अनुपम खेर अपनी आवाज देंगे। 'द वीस ऑफ धर्मा' टाइटल वाले इस पोस्टर में जटायु की तेज नजरों की झलक दिखाई गई है। वहीं, दूसरे विजयलक्ष्मी में जटायु अपने विशाल पंख फैलाए नजर आ रहे हैं। मेकर्स फिल्म के अलग-अलग किरदारों के पोस्टर जारी कर रहे हैं और इसी कड़ी में जटायु का लुक सामने

आया है। मेकर्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, 'जब बुराई ने उड़ान भरी, तो उसका सामना करने के लिए साहस खड़ा हुआ। उसने जीत के लिए नहीं, बल्कि सही के लिए लड़ाई लड़ी। जटायु। द विंस ऑफ धर्मा।' 'रामायण' में जटायु के रूप में अनुपम खेलें।
रामायण की कहानी में जटायु का किटारान साहस, बलिदान और धर्म की भिमात्र माना जाता है। जब रावण माता सीता का हरण करने के उद्देश्य ले जा रहा था, वह जटायु ने उसी रोकने की कोशिश की थी। वह जानते थे कि रावण से मुकाबला करना आसान नहीं होगा, इसके बावजूद उन्होंने सीता को बचाने के लिए उससे युद्ध किया। इस दौरान जटायु गंभीर रूप से घायल हो गए, लेकिन उन्होंने अपनी आखिरी सांसों तक धर्म का साथ नहीं छोड़ा।

इससे पहले मेकर्स फिल्म से भगवान राम, कैकेयी और कुछ अन्य किरदारों के पोस्टर भी जारी कर चुके हैं। फिल्म में रणबीर कपूर भगवान राम, साईं पल्लवी माता सीता, यश राववा, सनी देओल हनुमान और रवि देव लक्ष्मण के किरदार में नजर आएंगे। निवेश तिवारी के निदेशन में बन रही 'रामायण' दो हिस्सों में रिलीज होगी। फिल्म को नितेश मेहता के प्राइम फोकस स्टूडियोज ने डीएनईजी और यश की मॉन्टर माइंड क्रिएशंस के साथ मिलकर बनाया है। फिल्म का पहला टीजर 5 नवंबर 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाला है, जबकि दूसरा टीजर दीपावली 2027 पर रिलीज होगा।

मॉन्स्टर में सलमान बने सीक्रेट रॉ एजेंट

सलमान खान और निर्देशक वामसी पोडियल्ली की फिल्म 'मॉन्टर' को लेकर एक्सक्लूसिव इंटर्व्यू सामने आई हैं। सूरजों के मुलाक़िफ़ फिल्म में सलमान हिडन आइडेंटिटी वाले रॉ अधिकारी की भूमिका में हैं। इससे पहले वह यशराज की 'टाइगर' फ़्रैंचाइज में रॉ एजेंट का किरदार निभा चुके हैं लेकिन इस फिल्म में उनका किरदार अपनी पहचान छिपाकर आगे बढ़ता जाता है। कहानी में उसकी असली पहचान धीरे-धीरे सामने आएगी। फिल्म में सलमान के किरदार का एक बड़ा टकराव अभिन्न्यु सिंह के किरदार से होता है, जो डेयरी ऑनर की भूमिका में हैं। डेयरी परिसर और उससे जुड़े फैक्ट्री एरिया में बड़े एक्शन सीक्वेंस फिल्माए गए हैं। सलमान हैंड-टू-हैंड कोम्बीट के साथ आस-पास मौजूद चीजों को भी लड़ाई का हिस्सा बनाते दिखेंगे। इस सीक्वेंस का अंत बड़े ब्लान्स्ट के साथ होता दिखेगा।

अरविंद स्वामी फिल्म में एक

पुलिस अधिकारी बने हैं



स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बखारीपुर, पोस्ट द्वारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक-अनंज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो.0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

